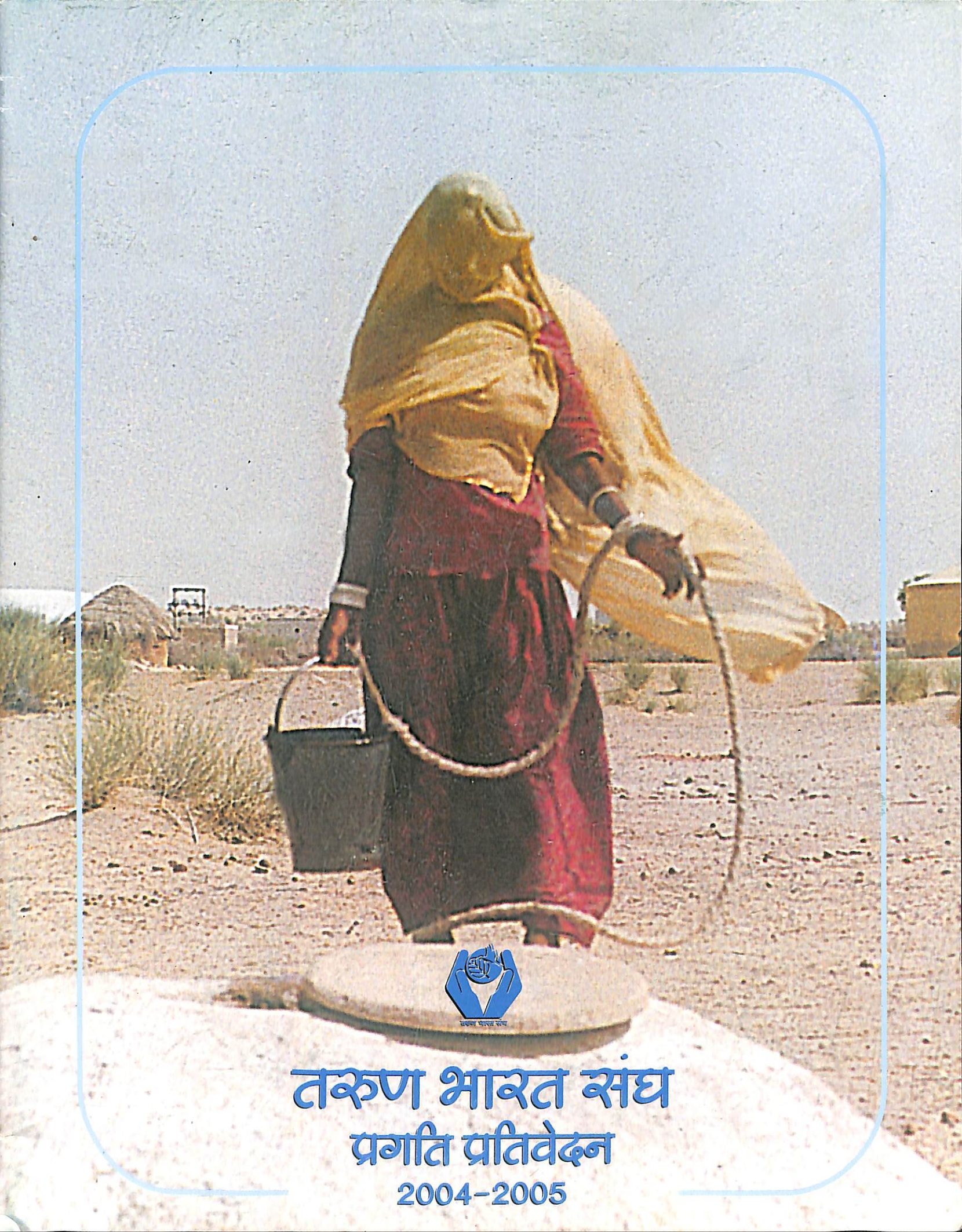

तरुण भारत संघ

प्रगति प्रतिवेदन

2004-2005

राष्ट्रीय जल बिरादरी के तत्वावधान में
हिण्डन नदी मुक्ति अभियान
के अन्तर्गत
पद यात्रा का कार्यक्रम
दिनांक 22-26 नवम्बर 2004
बायोडायनैमिक
आर्य समाज पाँचा ढिकौली

शेखावाटी जल सम्मे
आयोजक - शेखावाटी जल बिरादर
दिनांक - 24 मई 2004
सामुदायिक विकास भवन
हाउस

राष्ट्रीय जल सम्मेलन
नई दिल्ली 25-26 जून 2004
राष्ट्रीय जल सम्मेलन
नई दिल्ली 25-26 जून 2004
तरुण भारत संघ और राष्ट्रीय जल

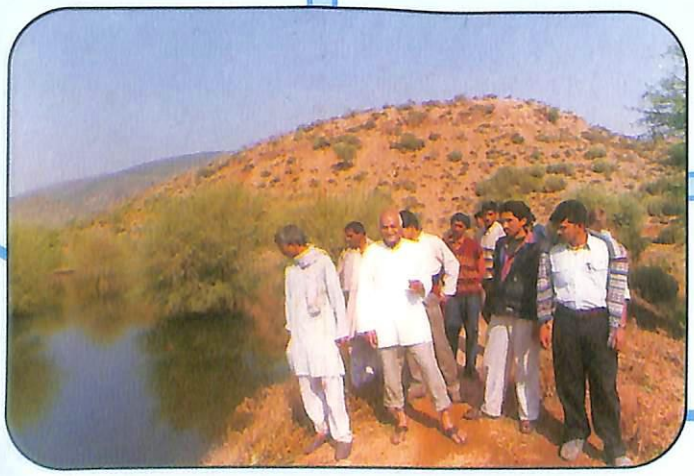

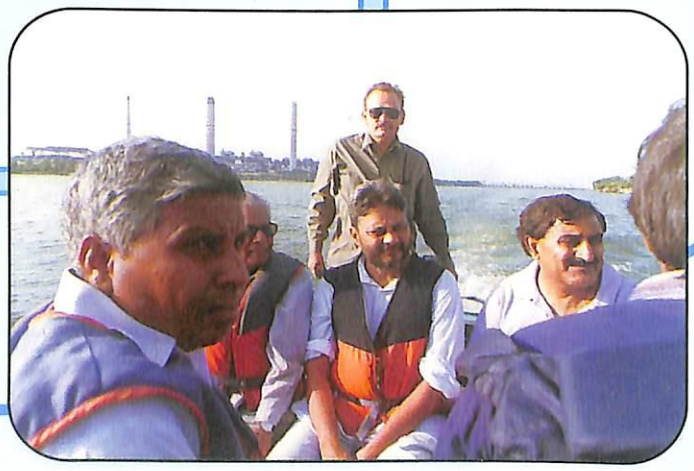

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

2004-05

तरुण भारत संघ

तरुण भारत संघ

भीकमपुरा-किशोरी, वाया थानागाजी

जिला अलवर (राजस्थान) 301022

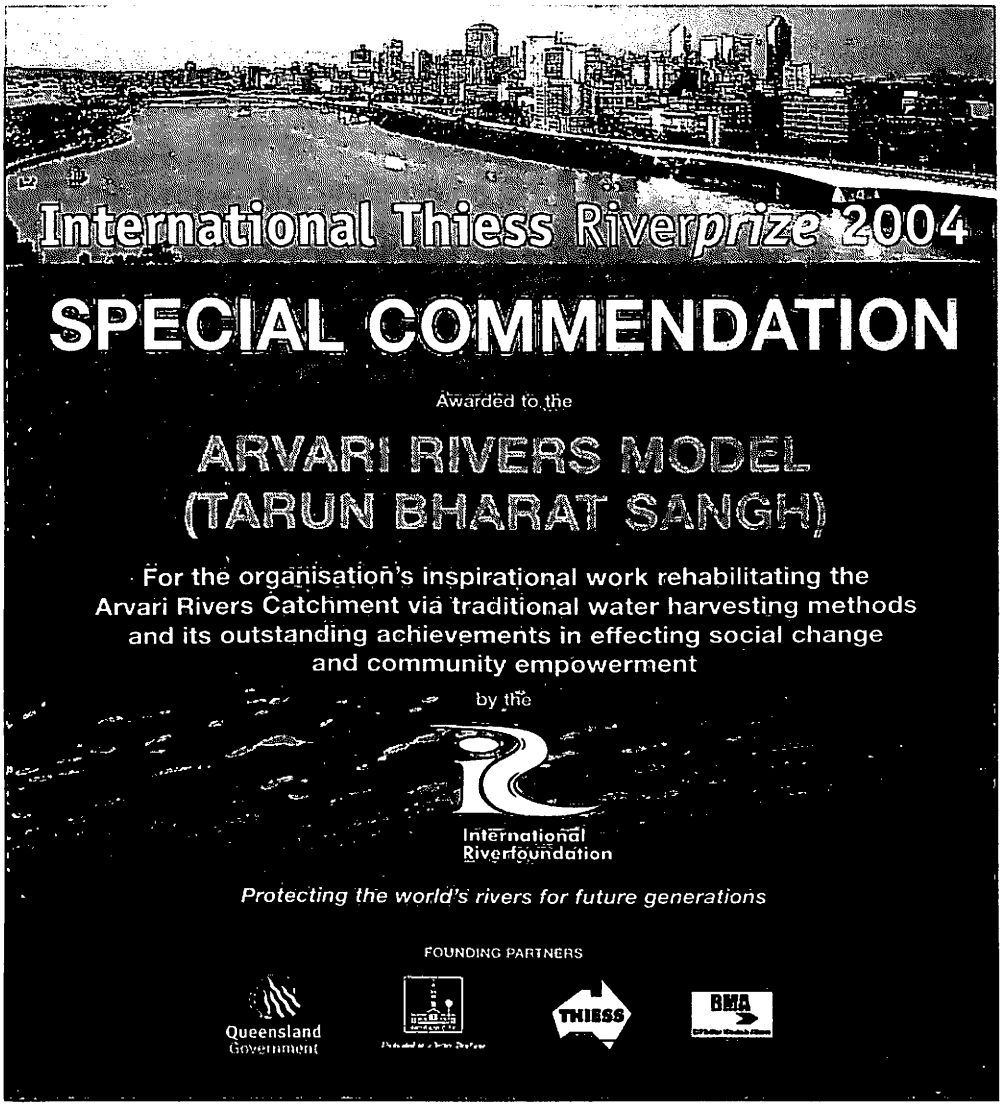

7th International
Riversymposium
31 August - 3 September 2004

Riverprize is an initiative of the Brisbane City Council and the Queensland Government in partnership with Channel Nine

तरुण भारत संघ की कार्यकारिणी

श्री राजेन्द्र सिंह	(अध्यक्ष)
श्री गुरुदास अग्रवाल	(उपाध्यक्ष)
श्री कन्हैया लाल गुर्जर	(महामन्त्री)
श्री जगदीश गुर्जर	(कोषाध्यक्ष)
श्री गोपाल सिंह	(सहमन्त्री)
सुश्री देवयानी	(सहमन्त्री)
श्री अनुपम मिश्र	(सदस्य)
श्रीमती किस्तुरी देवी	(सदस्य)
श्रीमती मीना सिंह	(सदस्य)

तरुण भारत संघ का सलाहकार मण्डल

श्री गुरुदास अग्रवाल

श्री सिद्धराज ढड्ढा

श्री अनुपम मिश्र

श्री एम. एस. राठौड़

श्री राजीव धवन

कार्य समीक्षा

तरुण भारत संघ के महामंत्री श्री कन्हैया लाल गुर्जर ने आज दिनांक 31.3.05 को संपन्न हो रहे वित्तीय वर्ष की प्रगति से अवगत कराते हुए कहा कि सीडा परियोजना के अंतर्गत 5 नदियों के बेसिन के गैप खोजे, उनका सर्वे किया। अरवरी के 5 नालों पर जो गैप थे, उनको पूरा करने के लिए सर्वे किया। चुने हुए 500 साइडों में से 100 साइडों का अधिकतर काम पूरा हो चुका है और उनमें से 15-20 साइडों का काम चल रहा है। इस वर्ष सरिस्का संरक्षण की 58 बैठकें की गईं। अरवरी संसद के दो अधिवेशन सहित 35 क्षेत्रीय अधिवेशन व ग्रामसभाओं की बैठक की गई। 5 नदियों के 300 साइडों का दस्तावेजीकरण किया तथा सरसा नदी के साइडों का भी दस्तावेजीकरण किया गया। कार्यकर्ताओं की क्षमता वृद्धि के लिए श्री आनन्द कपूर द्वारा तकनीकी प्रशिक्षण व श्री सिद्धराज जी भाईसाहब द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। रामपुरा व भांवता गांव के लोगों को प्रशिक्षण दिया। अध्यक्ष जी तथा तरुण भारत संघ व जल बिरादरी के कार्यकर्ता द्वारा किये गये जलयात्रा का दस्तावेजीकरण किया। इस वर्ष दिल्ली में हुए जल बिरादरी के सम्मेलन में जलनीति पर चर्चा करके अपने सुझावों से सरकार को अवगत कराया। केन्द्रीय पर्यावरण नीति पर चर्चा करके, मीटिंग करके जनता के सुझावों को लेकर केन्द्र सरकार को अवगत कराया। इसके साथ सरिस्का के विलुप्त बाघों पर चिन्तन शिविर करके सुप्रीम कोर्ट की एम्पावरमेन्ट कमेटी को अपने सुझावों से अवगत कराया। सोनिया फाउण्डेशन परियोजना के अन्तर्गत किये गये कार्यों की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि ढूँढाड़ क्षेत्र में जयपुर जिले के चाकसू में पंचायती राज पर 10 मतदाता प्रशिक्षण शिविर, दाई प्रशिक्षण शिविर, गोरक्षा तथा जल संरक्षण का कार्य किया। फोर्ड फाउण्डेशन के अंतर्गत बीकानेर में पदयात्रा, महिला समूह सम्मेलन तथा कुइयों का निर्माण किया। इसके साथ इस परियोजना के अन्तर्गत शेखावाटी में छतों से पानी इकट्ठा करने के लिए टांकों का निर्माण किया। उस क्षेत्र के बड़े उद्योगपति श्री रघुवीर डालमिया के साथ पानी के काम के बारे में चर्चा करके उनको पानी के काम में लगाया। इस वर्ष अरवरी नदी को आस्ट्रेलिया में रिवर थिसेस प्राइज से पुरस्कृत किया। इस वर्ष अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सिंह जी की देश-विदेश की यात्राओं के बारे में जानकारी देते उन्होंने कहा कि इस वर्ष श्री राजेन्द्र सिंह जी ने स्वीडन, आस्ट्रेलिया, फ्रान्स, अमेरिका और इंग्लैंड में जाकर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हुए सम्मेलनों में तरुण भारत संघ द्वारा किये गये जल संरक्षण के कार्यों का प्रस्तुतिकरण किया। वहां भारतीय मूल के लोगों के साथ पानी के काम के बारे में बातचीत की तथा अपने देश में जल संरक्षण के कार्यों में सहयोग करने, जल बचाने व उसकी बरबादी रोकने का अनुरोध किया। अमेरिका के सभी राज्यों के नौजवानों को पानी के काम में प्रेरित किया। मुम्बई में हुए अप्रवासी भारतीय सम्मेलन में आये अप्रवासी भारतीयों को पानी का काम करने का अनुरोध किया।

इस वर्ष अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सिंह जी ने देशभर में जलयात्रा के अनुवर्ती कार्यक्रम चलाकर देशभर की सभी राज्यों की राजधानी, महानगरों व नगरों में पुनः-पुनः जाकर जल की बरबादी रोकने तथा जल बचाने की चेतना जगाने का कार्य किया। तरुण भारत संघ इस वर्ष अपनी पानी की चेतना की मुहिम को देशभर में बहुत सफलतापूर्वक चला सका। इस कार्य के लिए अध्यक्ष जी को देशभर में बहुत यात्राएं करनी पड़ीं और इन यात्राओं का व्यय सीडा परियोजना से किया गया। सीडा की सहायता से 100 से अधिक तालाबों का कार्य पूरा हुआ। जल-चेतना और जल साक्षरता के देशभर में जगह-जगह सफल कार्यक्रम हुए। तरुण भारत संघ के कार्यकर्ताओं ने देशभर की संस्थाओं के कार्यकर्ताओं का क्षमता वृद्धि के कार्यक्रम किये। राजेन्द्र सिंह जी केन्द्रीय टास्क फोर्स में सलाहकार के रूप में कार्य रहे हैं।

राष्ट्रीय व राज्यों की जलनीति अच्छी बनवाने हेतु अध्यक्ष जी ने सरकारों के साथ सघन रूप से संवाद करके वातावरण निर्माण किया और पानी का दुरुपयोग करने वालों को दण्ड तथा पानी बचाने वालों को प्रोत्साहन दिलाने की मुहिम चलाई । राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर भूजल संरक्षण पर अधिनियम बन सके, ऐसा वातावरण निर्माण किया। तरुण भारत संघ के लिए यह वर्ष पानी की राष्ट्रीय पैरवी का वर्ष साबित हुआ है।

महामंत्री ने संस्था के सफलतापूर्वक चलाये गये कार्यों के लिए सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया। संस्था के कार्यों में सब महानुभावों का आभार प्रकट किया जिन्होंने बौद्धिक रूप में मार्गदर्शन व सहयोग दिया है।

आभारी
कन्हैया लाल गुर्जर
महामंत्री

प्रगति प्रतिवेदन
2004-05

यह वर्ष संस्था के लिए महत्वपूर्ण इस मायने में रहा कि संस्था ने सामाजिक क्षेत्र में 1985 से 2005 तक समाज की प्रगति के लिए जो भी कार्य किये, उन्हें भविष्य में सुचारु रूप से कैसे चलाया जाये, क्या रणनीति हो जिससे संस्था के कार्यों में और सघनता आये। समाज के लिए नये-नये आयामों के विषय में अध्ययन, शोध हो, शिक्षण की ऐसी व्यवस्था हो जिससे समाज में नये समाजकर्मी आएं, जो ग्रामीण जीवन की समस्याओं को स्थानीय समाज की सहभागिता से हल करने में हर सम्भव सहयोग करें।

संस्था कार्यकारिणी सदस्यों ने इस विषय में व्यावहारिकता लाने के लिए देश के मित्रों के साथ संवाद व विचार-विमर्श किया। तभासं के कार्यों से सम्बन्धित दस्तावेजीकरण, शिक्षण-प्रशिक्षण की पारम्परिक व आधुनिकीकरण व्यवस्थाओं में समन्वय स्थापित कर, समाज की वैकल्पिक समयोचित व्यवस्थाओं के लिए युवा पीढ़ी को आगे लाया जाये जिससे विकास के आयामों को आगे बढ़ाया जा सके और समाज का प्रगति चक्र सतत आगे बढ़ता रहे। सभी जगह से अच्छे सुझाव आ रहे हैं । विचार गोष्ठियों में भी अच्छे निर्णय लिए जा रहे हैं जिससे तभासं की भविष्य की कार्ययोजना को गति मिलेगी । समाज में अच्छे कार्य होंगे । सामाजिक समस्याओं का निराकरण होगा । ग्रामीणजन खुशहाली से जीवनयापन करेगा। इसी आशा के साथ इस वर्ष संस्था ने कार्य किये हैं ।

कार्यस्वरूप

इस वर्ष संस्था ने अपने कार्यक्षेत्र में निम्न प्रकार के कार्य किये हैं :

1. **जल संरक्षण-संवर्द्धन के कार्य**
2. **अरवरी संरक्षण के कार्य**
3. **सरिस्का संरक्षण के कार्य**
4. **पर्यावरण कार्यक्रम**
5. **कार्यकर्ता शिक्षण / प्रशिक्षण**
6. **दस्तावेजीकरण**
7. **अतिथि स्वागत-शिक्षण प्रशिक्षण-भ्रमण में सहयोग**
8. **मुख्य घटनाक्रम**

जल संरक्षण कार्य

तरुण भारत संघ ने इस वर्ष जल संरक्षण की दिशा में विभिन्न प्रकार के कार्य किये हैं :

1. वर्षा जल संरक्षण

इस वर्ष संस्था ने नये व पुराने 86 जोहड़ों पर कार्य किया तथा 26 एनीकट के नवनिर्माण एवं मरम्मत के कार्य हुए । 10 टांके, छतों से जल संरक्षण, 150 जलकुइयों का निर्माण संस्था व जन सहयोग से किया है जो गाँव की स्वावलम्बी व्यवस्था को बढ़ावा देने में सहायक है । आगे भी संस्था वर्षा जल संरक्षण के लिए समाज को प्रोत्साहित करेगी । (प्रत्येक कार्य के विवरण की सूची संलग्न है।)

नई स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ

तरुण भारत संघ ने जल संरक्षण के कार्यों में राजस्थान व राजस्थान से बाहर अन्य प्रान्तों में भी जल संरक्षण के कार्यों में सहयोग किया है। उनका मार्गदर्शन कर सामाजिक कार्यों के लिए प्रेरित किया है। गाँव की छोटी-छोटी संस्थाओं से लेकर इन्टरनेशनल रोटरी क्लब जैसी संस्थाओं को जल कार्य में लगाया है ।

थार, मारवाड़ क्षेत्र

मारवाड़ क्षेत्र के बीकानेर जिले में तीन गावों में कार्य किया। ये गांव तहसील नोखा में राणासर, पावूसर, बीठनौख व लाखासर हैं। इनमें जन जागृति, महिला जागृति, जल संरक्षण के कार्य किये ।

महिला हस्तकला समिति, सुभाष नगर, बीकानेर

- तरुण भारत संघ रेगिस्तान क्षेत्र की नौखा तहसील के राणासर, बीठनौख, लाखासर गांव में पुरानी व नई 150 जलकुई निर्माण कर जलकुई परम्परा को विकसित करने में सहयोग दिया है।
- एक बड़ा तालाब निर्माण कराया है।
- महिला समूह सहायता सम्मेलन में सहयोग किया।
- महिला रोजगार कार्यक्रम में सहयोग दिया ।

जल भागीरथी फाउण्डेशन, जोधपुर

- कार्यकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहयोग।
- जल जागृति अभियानों में सहयोग।
- मारवाड़ क्षेत्र में जल संवर्द्धन के कार्यों को बढ़ावा देना।

जन जागृति

गत वर्ष तरुण भारत संघ ने बीकानेर के पावूसर गांव में जल संरक्षण के कार्य किये । इस गांव के कार्यों को देख कर राणासर के लोगों ने भी अपने गांव में जल संरक्षण की इच्छा जाहिर की। सुश्री विमला कौशिक ने गांव वालों से सम्पर्क किया। जल संरक्षण, गांव के विकास में सहभागिता के साथ कार्य करना, शिक्षा के प्रति ग्रामवासियों को प्रेरित करना तथा स्वास्थ्य के प्रति महिलाओं व बालिकाओं के साथ सतत संवाद करना, बालिकाओं को रोजगारोन्मुखी बनाने के लिये सिलाई कार्यों से जोड़ना। इसके साथ ही साथ महिला समूह के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के लिए जन समुदाय के लोगों से बातचीत की गई।

- माह जुलाई में शिक्षा के लिए जन चेतना कार्यों के लिए पदयात्रा की तथा बच्चों के लिए स्कूल की व्यवस्था की। आज राणासर गांव में 45 बच्चे शिक्षा से जुड़े हैं जिसमें 15 बालिका हैं।

20 किशोरियों को सिलाई कार्य से जोड़ा गया है। इनको कपड़े व मशीन की व्यवस्था बैंक व समूह के सहयोग से की गई है । इनके द्वारा तैयार किये गये कपड़े को क्षेत्र के गांव में ही विक्रय कर दिया जाता है। इससे होने वाली आय से लड़कियों में आत्मविश्वास बढ़ रहा है साथ ही सामूहिक कार्य करने की भावना भी बढ़ी है।

महिला समूह

तरुण भारत संघ की कार्यकर्ता सुश्री विमला कौशिक ने तीन गांव राणासर, पावूसर व लाखासर में 50 महिला समूहों का गठन किया है तथा इनको बैंक से जोड़ा गया है। अब महिला समूह सीधे बैंक से लेन-देन करते हैं। इसके साथ-साथ महिला समूह की सभी महिलाएं सामाजिक स्तर पर अपने गांव के विकास में हर सम्भव प्रयास करती हैं।

तभास द्वारा ग्राम राणासर में आयोजित स्वयं सहायता समूह ऋण वितरण समारोह

17/9/04 को ग्राम राणासर में महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें 5 गांव के महिला-पुरूषों ने भाग लिया। सम्मेलन में 500 से अधिक लोगों ने भाग लिया। सम्मेलन में तीन महिला समूहों को बैंक द्वारा 50-50 हजार रु. का लोन स्वीकृत किया गया। अब यह महिला समूह पूरी तरह से अपनी स्वावलम्बी व्यवस्था के प्रति अग्रसर है ।

जल संरक्षण कार्य

इस वर्ष संस्था के सहयोग से 150 पारम्परिक जल कुइयों का निर्माण किया है जिसमें ग्राम राणासर में - 80, लाखासर में - 50, बीठनौख में - 20 कुइयों के कार्य किये गये हैं। यह जलकुई बहुत पारम्परिक व्यवस्था है। ये ग्रामवासियों की उपेक्षा के कारण नष्ट हो गई थीं। कुइयों की ग्रामीणों को आवश्यकता महसूस हुई। जलकुई निर्माण में संस्था ने ग्रामीणों के सहयोग से पुनर्निर्माण कार्य शुरू किया। इन जलकुइयों में जल पूर्ण रूप से स्वच्छ व उपयोगी रहता है।

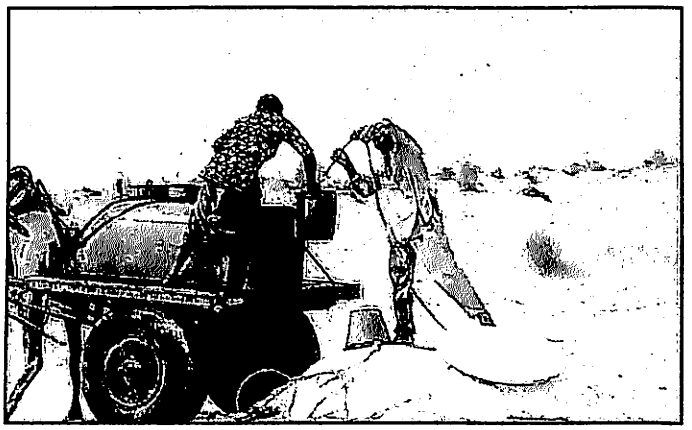

जलकुइयों के निर्माण में समाज की एकता तथा कुइयों पर समानता का स्वामित्व एवम् जल कार्यों में उपयोग

सर (तालाब) का निर्माण

ग्राम राणासर के रण में एक तालाब का निर्माण किया गया जिसमें गांव के सभी महिला-पुरुषों ने कार्य किया तथा गांव ने पूरा सहयोग दिया। एक बार भरने के बाद तालाब का पानी लगभग 6 माह तक उपयोग में आयेगा। यह तालाब गांव से 2 कि. मी. दूरी पर बनाया गया है, जो वर्गाकार स्थिति में है।

शेखावाटी क्षेत्र

यह क्षेत्र राजस्थान का हृदय है। इस क्षेत्र ने राजस्थान को सरसब्ज बनाने में प्राचीन काल से ही साथ दिया है। शेखावाटी में तीन जिले चुरू, झुंझुनूं, सीकर आते हैं। ये पूर्ण रूप से रेगिस्तानी इलाके हैं पर अपनी प्राचीन भव्यता के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं। जल संरक्षण की प्राचीन परम्पराओं के तरीके यहां के समाज में व्याप्त हैं। लेकिन आधुनिक विकास के मोहवश यहां के जल संरक्षण के साधनों की उपेक्षा की गई है जिससे समाज की उदासीनता के कारण जल संकट की समस्या से सैकड़ों गांवों में प्रतिवर्ष जल अकाल रहता है, यहां की जनता जल के लिए सरकार पर निर्भर है। यहां के समाज को अपनी शक्ति का अहसास कराने की आवश्यकता है। बाकी कार्य स्वयं कर लेगा। शेखावाटी जल बिरादरी में 17 छोटी-छोटी संस्थाएं चुरू, सीकर, झुंझुनूं के ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत हैं। तभासं ने इस बार शेखावाटी क्षेत्र में 10 जल संरक्षण के लिए पक्के सार्वजनिक जल कुण्ड बनाये हैं तथा पदयात्राओं का आयोजन, जल साक्षरता सम्मेलन किये हैं ।

1. श्री नरेन्द्र सिंह, कम्प्यूटर शिक्षण एवं साक्षरता संस्थान, झुन्झुनूं
2. श्री संजीव महल, स्प्रेड संस्था झुन्झुनूं
3. श्री रामनिवास बराला, सवेरा संस्था, धींधवा-अगुना, जिला-झुन्झुनूं
4. श्री जनेश चौधरी, जन विकास संस्थान्, झुन्झुनूं
5. ले. कर्नल श्री एस. बी. सिंह, दुराना, जिला-झुन्झुनूं
6. श्री निरंजन सिंह, समग्र विकास संस्थान, झुन्झुनूं
7. ब्रिग. प्रेम कुमार भटनागर, रचनात्मक ग्रामीण विकास केन्द्र, खेतड़ी
8. श्री गोपाल ढस्सा, पर्यावरण विकास समिति, चिड़ावा

नये सामाजिक कार्यकर्ता निर्माण

तरुण भारत संघ ने शेखावाटी में युवा सामाजिक कार्यकर्ता तैयार किये। वे समाज में विभिन्न समस्याओं को लेकर कार्य कर रहे हैं। शेखावाटी में युवा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जल संरक्षण की दिशा में बड़े पैमाने पर जल साक्षरता का कार्यक्रम चलाया है जिसमें पदयात्राएं, ग्रामीण बैठक, सम्मेलनों के माध्यम से क्षेत्र में जल चेतना के कार्यक्रम आयोजित किये हैं जिससे जल संरक्षण के प्रति वातावरण बना है। तरुण भारत संघ ने शेखावाटी के उद्योगपतियों श्री रघुवर डालमिया (डालमिया ग्रुप), अम्बुजा ग्रुप, रुइया परिवार के साथ स्टील किंग श्री सुनील मित्तल को भी अपनी जन्मभूमि में जल संरक्षण के कार्यों के लिए कहा है।

डालमिया ग्रुप के साथ शेखावाटी के युवा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने लम्बी बातचीत के बाद माह अक्टूबर से कार्य प्रारम्भ कर दिया। अब डालमिया परिवार झुंझुनूं (चिड़ावा) में (वर्ष 2004-2005 से 2009-2010 तक) अगले पाँच वर्षों में जल संरक्षण का कार्य करेगा। वह प्रतिवर्ष 1 करोड़ के कार्य समाज के सामूहिक प्रयास से करेंगे जिसमें समाज की भागीदारी भी पूर्ण सहभागिता की रहेगी। इस प्रकार तरुण भारत संघ ने क्षेत्रीय उद्योगपतियों के साथ नये सामाजिक कार्यकर्ताओं को जोड़ने का कार्य किया जिससे भविष्य में अच्छे परिणाम आयेंगे, ऐसी आशा है।

कार्यकर्ता क्षमता विकास कार्यक्रम

संस्था ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण प्रबन्धन में क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं की अभिरुचि को पहचान कर नीतिगत मुद्दों को विस्तार से समझाने का प्रयास किया है। इस वर्ष क्षेत्रीय समस्याओं से उत्पन्न आन्दोलनों के विषय में गम्भीरता से कार्यकर्ताओं के साथ चर्चायें की गईं। जैसे पंजाब के पानी की समस्या, गंगानगर में जल वितरण की समस्या, बारां जिले में पानी की समस्या, कोटा जिले में बाढ़ नियन्त्रण की समस्याओं से क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के मनोबल को उत्साहित कर कार्य करने को प्रोत्साहित किया। क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं ने अपनी-अपनी क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान के लिए जनता के साथ मिलकर कार्य किये । इससे क्षेत्रीय कार्यकर्ता उत्साहित होकर समाज उपयोगी कार्यों में लगे हुए हैं। मारवाड़, शेखावाटी व हाड़ौती क्षेत्रों में समाज की भूमिका को बढ़ावा दिलाने में कार्य हो रहा है।

शेखावाटी में रचनात्मक कार्य

इस वर्ष तरुण भारत संघ ने शेखावाटी क्षेत्र में जल संरक्षण के 10 टांकों का निर्माण फोर्ड फाउण्डेशन की सहायता से किया है। ये टांके वर्षा जल को अपने में समेट कर जन-जन की प्यास बुझायेंगे और समाज को ऐसे कार्य करने की प्रेरणा देते रहेंगे।

पानी संरक्षण के टांकों का निर्माण पूरी तरह सार्वजनिक स्थानों पर जन सहयोग के साथ किया है। यह 10 टांके, स्कूल-कालेज, छात्रावास, गोशाला, पंचायत समिति आफिस में बनाये गये हैं। छात्र, किसान व जनता का सम्पर्क सदैव बना रहता है। इसके लिए छात्रों के साथ विशेष रूप से चर्चा की गई है। इन टांकों को उक्त स्थानों पर मोडल के रूप में निर्माण किया है। वर्षा जल को मकान की छत से सीधे टांकों से जोड़ा है जिससे वर्षा जल का सदुपयोग हो सके।

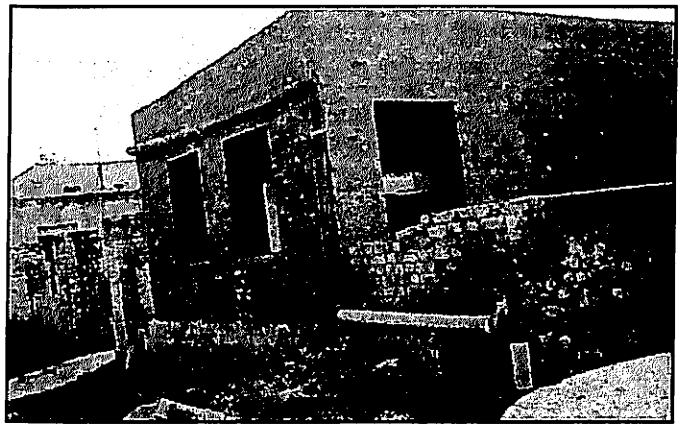

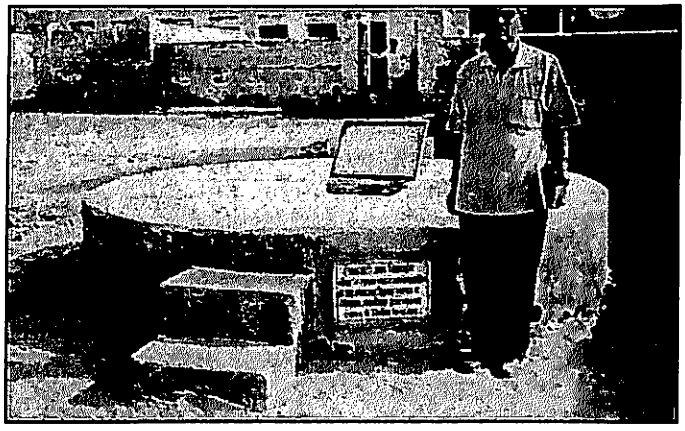

शेखावाटी क्षेत्र में तरुण भारत संघ द्वारा किये गये जल संरक्षण का अवलोकन करते हुए आंध्र प्रदेश के स्टेट बैंक के प्रतिनिधि

जलयात्रा

माह मई में श्री राजेन्द्र सिंह ने मारवाड़ क्षेत्र में जल साक्षरता यात्रा प्रारम्भ की जिसमें झुंझुनूं, बीकानेर, जोधपुर, पाली, जैसलमेर जिलों में जलयात्रा पहुंची। यात्रा में जल संरक्षण के उपाय के साथ-साथ नये जल संरक्षण के कार्य करने का संदेश समाज में दिया गया। इस यात्रा में श्री राजेन्द्र सिंह के साथ श्री राजनारायण मौर्य, सुश्री रेणु, सुश्री इरीना (अमेरिका), श्री राकेश कुमार ने पूरा सहयोग दिया।

शेखावाटी जल सम्मेलन में सभा को सम्बोधित करते हुए श्री राजेन्द्र सिंह

शेखावाटी जल सम्मेलन

24 मई को शेखावाटी में पद यात्रा के उपरान्त जल यात्रियों के साथ सामुदायिक भवन झुन्झनूं में आम सभा हुई। सभा में ग्रामीण जनता के अलावा जनता प्रतिनिधि पंचायती राज मंत्री बाबूलाल वर्मा, जिले के प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। इन सभी ने सभा को सम्बोधित किया। क्षेत्र में बढ़ती हुई जल समस्या के प्रति गहरी चिन्ता जताई गई। सरकार द्वारा जल संरक्षण के कार्यों को कराने में हर संभव मदद करने को कहा।

राजेन्द्र सिंह ने अपने भाषण में जनता को जल दोहन व जल संरक्षण के कार्यों को विवेकपूर्वक करने को कहा जिससे आने वाली पीढ़ियों को भविष्य में पानी मिल सके। राजेन्द्र सिंह ने अपने भाषण में निम्न बिन्दुओं पर प्रकाश डाला।

- पानी पर समाज का अधिकार होना चाहिए।
- पानी को बहुराष्ट्रीय कम्पनियों से बचाना है।
- अपने क्षेत्र की जल नीति स्वयं शेखावाटी समाज के लोगों को बनानी चाहिए।
- राज्य सरकार पर जनोपयोगी जल नीति बनाने के लिए दबाव बनाना चाहिए।

ढूंढाड़ क्षेत्र

तरुण भारत संघ द्वारा राज्य में ढूंढाड़ क्षेत्र की स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ किये गये कार्यों का विवरण

गांधी विकास समिति चाकसू, जयपुर

- पंचायती राज में मतदाताओं का जागृति शिविर
- महिला जागृति शिविर
- महिला स्वास्थ्य शिविर
- दाई प्रशिक्षण

सुरभि गौसेवा समिति, भीखवाड़ा, चाकसू, जयपुर

- घटते गौ वंश की रक्षा के लिए नई गौशाला के निर्माण वास्ते सहयोग

ग्रामोदय विकास समिति चाकसू, जयपुर

- स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए एम्बुलैन्स
- जल संरक्षण के लिए दो जोहड़ के निर्माण में सहयोग

सामाजिक-आर्थिक विकास समिति, चाकसू, जयपुर, ग्रा. पो. रलावत पो. गरुड़वास चाकसू, जयपुर

- दो जोहड़ बनाने में सहयोग किया
- इन्टरनेशनल रोटरी क्लब से जल संरक्षण कार्यों में मदद के लिए कहा।

निर्माण संस्थान, ग्रा. देशमां, मालपुरा, जिला टोंक

- जल संरक्षण एवं जल साक्षरता कार्यक्रमों में सहयोग किया।
- नेशनल रोटरी क्लब व कपार्ट आदि संस्थाओं में सम्पर्क कराया।

जनविकास समिति, तिलौनिया, किशनगढ़, अजमेर (राज.)

- जल संरक्षण के लिए एनीकट निर्माण कार्य एवं जल जन जागृति कार्यक्रमों में सहयोग किया।

ग्राम विकास नवयुवक मण्डल, ग्रा. पो. लापोडिया, तहसील दूदू- जयपुर

- जल संरक्षण के लिए दो जोहड़, एक एनीकट निर्माण किये गये।
- जल संरक्षण के लिए कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों के साथ संवाद।

1. जल संरक्षण के कार्य

तरुण भारत संघ ने ग्राम राहोली, तहसील निकाई, जिला टोंक में गाँव की सहभागिता के साथ मिलकर गोचर में एक तालाब का निर्माण किया है। ढूंढाड़ क्षेत्र के तालाब निर्माण में तभासं द्वारा दो तिहाई और समाज द्वारा एक तिहाई योगदान दिया गया।

तालाब निर्माण का प्रभाव

1. समाज की सहभागिता को बढ़ावा देना : तालाब निर्माण पूरे गाँव की सहमति से जगह का चयन व आर्थिक सहयोग के विषय में चर्चाएं की गई थीं। तालाब निर्माण में सभी ग्रामवासियों के सहयोग के अनुसार ही कार्य किया गया है ।

2. रोजगार से आर्थिक लाभ : तालाब निर्माण में गरीब परिवारों की महिलाओं ने कार्य किया जिसकी मजदूरी का भुगतान भी महिलाओं को ही किया जिससे महिलाओं को सीधा आर्थिक लाभ हुआ।

3. पशुपालन में सहयोग : तालाब निर्माण गोचर भूमि में किया गया है। यहाँ गाँव के सभी वर्गों के पशु आते हैं, चरते हैं।

अब पशुओं को दूसरी जगह पानी के लिए नहीं ले जाना पड़ता है। गोचर के तालाब में ही पशुओं को पानी उपलब्ध रहता है। इससे पशुओं के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ है तथा पशुपालकों के लिए भी सुविधा हुई है । वह अपने पशुओं को पानी की चिन्ता से मुक्त होकर अधिक समय तक चराते हैं।

4. जल संरक्षण व संवर्धन का कार्य : तालाब निर्माण से ग्राउण्ड वाटर रिचार्ज हुआ है। आसपास नई वनस्पति बढ़ी है। इन सब प्रभावों को देखते हुए आसपास के ग्रामवासी भी अपने-अपने गोचरों में जल प्रबन्धन के (जल संरक्षण के) कार्य करने के प्रयास कर रहे हैं।

महिला जागृति शिविर

परियोजना में दो गाँवों में एक-एक दिवसीय 2 महिला शिविरों का आयोजन किया गया। संस्था ने ग्रामीण क्षेत्रों में अनुसूचित जाति, जन जाति की महिलाओं को विभिन्न जानकारी के माध्यम से समुदाय एवम् परिवार में महिला भागीदारी बढ़ाने हेतु प्रेरित किया गया। महिला शिविरों की समेकित जानकारी निम्न है-

क्र. सं.	दिनांक	गाँव का नाम	तहसील	जिला	उपस्थित सम्भागी
1.	22/10/04	मानपुरा	चाकसू	जयपुर	30 महिलाएं
2.	23/10/04	कालानाड़ा	निवाई	टोंक	31 महिलाएं

महिला जागृति शिविरों का उद्देश्य

- समुदाय में महिलाओं की वर्तमान स्थिति से स्वयं महिलाओं को अवगत कराना
- महिलाओं को शिक्षा के प्रति जागरूक करना विशेषतः बालिका शिक्षा के विषय में स्पष्टता से जानकारी देना
- महिला विकास में बाधक कुप्रथाओं को हटाने हेतु उन्हें प्रेरित करना
- स्वयं सहायता समूहों के प्रति महिलाओं को प्रेरित करना

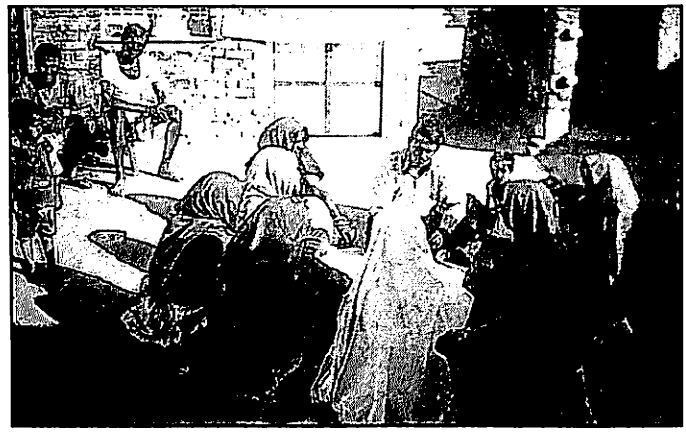

दाई प्रशिक्षण

24/10/04 को चाकसू, जयपुर व निवाई, टोंक जिले की बीस दाइयों को कुशल स्वास्थ्य सेविकाओं के माध्यम से एफ. वी. एस. कालोनी चाकसू में एक प्रशिक्षण दिलाया गया।

- गर्भवती की पहचान व टी. टी. के टीके लगाना
- प्रसवपूर्व दाई की तैयारी
- जच्चा-बच्चा की देखभाल
- प्रसव काल में आने वाली सभी समस्याओं से दाइयों को विस्तार से समझाया गया। भविष्य

में इन दाइयों को समय-समय पर और भी प्रशिक्षण दिलाने की आवश्यकता हुई तो वह भी हम दिलाएंगे, जिससे महिलाओं की समस्याओं का समाधान अतिशीघ्र गाँव में ही हो सके।

महिला मतदाता जागृति कार्यक्रम

जनवरी 2005 के अन्त में ग्राम पंचायतों के होने वाले चुनावों को देखते हुए ग्रामीण महिला मतदाताओं को पंचायती राज कानून की जानकारी देना तथा अपने भावी पंच-सरपंचों के चुनावों में अपना मत देना जिससे उनके द्वारा चयनित व्यक्ति से ग्राम सभाओं के लिए विकास कार्य कराने में सुविधा हो सके। यह अभियान 15 नवम्बर, 2004 से चालू किया है। इस अभियान में 10 महिला मतदाता जागृति शिविर, दस गाँवों में आयोजित किये हैं। इन शिविरों में 20 से 45 की आयु वर्ष की महिलाओं ने भाग लिया।

रैली, पोस्टर, पर्चे के माध्यमों से मतदाताओं को जानकारी दी गई है जिससे उन्हें अपने-अपने गाँव में अपने ग्राम स्तरीय व्यक्तियों को चुनने में सहयोग मिल सके।

क्र.सं.	दिनांक	गाँव का नाम	तहसील	जिला	उपस्थिति
1.	12/11/04	हनुतिया	निवाई	टोंक	18
2.	22/11/04	कालावाड़	निवाई	टोंक	21
3.	24/11/04	मानपुरा	निवाई	टोंक	20
4.	28/11/04	तामड़िया	चाकसू	जयपुर	19
5.	3/12/04	चाकसू	चाकसू	जयपुर	14
6.	20/12/04	हनुतिया	निवाई	टोंक	23
7.	22/12/04	राहोली	निवाई	टोंक	28
8.	24/12/04	सुरिया	निवाई	टोंक	28
9.	26/12/04	चनानी	निवाई	टोंक	23
10.	28/12/04	खेजड़ी	निवाई	टोंक	37

मतदाता जागृति पदयात्रा कार्यक्रम - जयपुर, टोंक जिला

क्र.सं.	जिला	तहसील	ग्राम पंचायत संख्या	गांव संख्या
1.	टोंक	निवाई	16	70
2.	जयपुर	चाकसू	20	90
3.	जयपुर	फागी	15	65

गौरक्षा अभियान

तरुण भारत संघ ने राजस्थान के चाकसू तहसील में वर्षभर अकाल के समय में पशु धन को बचाने के लिए क्षेत्रीय किसान व जन समुदाय को जागृत करने के लिए अभियान चलाया है। वैसे तो ग्रामीणों की हालत अकाल के कारण काफी कमजोर हो गई है। ***वह आर्थिक रूप से कमजोर स्थिति में है*** परन्तु गौ-रक्षा के लिए अभी चिन्तन जारी है। उस चिन्तन को क्रियात्मक रूप देने के लिए तरुण भारत संघ ने अभियान चलाया है। इस अभियान को लोग अपना कार्य समझने लगे हैं और गौ-वंश की रक्षा करके अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार करें और गरीबी से बचें । आज दिन-प्रति-दिन महंगाई बढ़ती जा रही है। गौवंश ही गांव के किसान वर्ग को आज की स्थिति में बचा सकता है।

मेवाड़ क्षेत्र

अंकुर संस्थान, झाड़ौल, उदयपुर

झाड़ौल तहसील आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है । अंकुर संस्थान व आदिवासी समाज के साथ मिलकर गांव के जल संरक्षण व प्राकृतिक संसाधनों के रखरखाव को लेकर सरकार के साथ संघर्ष किया जिससे सरकार द्वारा अंकुर संस्था के कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों को बहुत हतोत्साहित किया । तरुण भारत संघ ने संस्था व ग्रामीण नेतृत्व को गांव के विकास कार्यों में पुनः सक्रिय करने के लिए प्रिन्स चार्ल्स फाउण्डेशन, लन्दन से प्राप्त अनुदान राशि के द्वारा 2 एनीकट निर्माण किये तथा ग्रामीण नेतृत्व विकास के लिए प्रशिक्षण व महिला जागरूकता कार्यक्रम किये ।

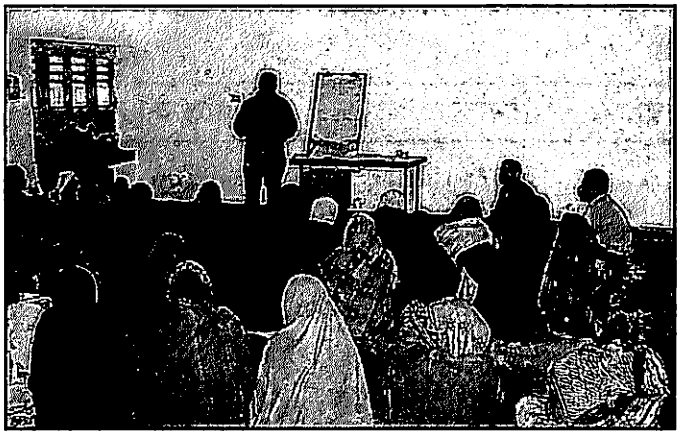

माह अप्रैल 2004 में प्रिन्स आफ वेल्स चेरिटेबल फाउण्डेशन ट्रस्ट से तरुण भारत संघ को तीन हजार पौन्ड का सहयोग जल संरक्षण कार्य के लिए मिला है। तरुण भारत संघ के बैंक खाते में 3 हजार पौन्ड का भारतीय मुद्रा में 2,37,834 रु. प्राप्त हुआ जिसे तरुण भारत संघ ने राजस्थान के आदिवासी क्षेत्र में उदयपुर के झाड़ौल ब्लाक के ग्राम ढढावली में उपयोग में लिया है। संस्था ने ट्रस्ट की राशि का उपयोग ऐसे लोगों के कार्य में लिया है, जिनका जीवन पूर्णत: प्राकृतिक संसाधनों पर आज भी निर्भर है। उन्हीं के जीवन को प्रकृतिमय करने के लिए तरुण भारत संघ ने घटते प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण व प्रबन्धन के लिए कार्य किया है।

जल संरक्षण के कार्य

संस्था ने आदिवासी जन समुदाय के साथ मिलकर दो छोटे-छोटे एनीकट बनाये हैं। पहला एनीकट माह जुलाई 2004 में ग्राम मुन्डावरी में बनाया था जिसमें वर्षा का पानी रुका और जन समुदाय के अधरों पर मुस्कान आई। उन्होंने अपने परिश्रम से एनीकट बनाया था। दूसरा एनीकट पहले एनीकट के ही कैचमेन्ट एरिया में ऊपर की तरफ बनाया गया है जो मार्च में बन कर तैयार हो गया है। अगले वर्षा काल में इस एनीकट का लाभ मिलेगा। अभी इस एनीकट के निर्माण से आर्थिक लाभ भी हुआ है। इस प्रकार से आदिवासियों के लिए दो एनीकट संस्था ने बनवाये हैं जिससे लम्बे समय तक लाभ मिलेगा।

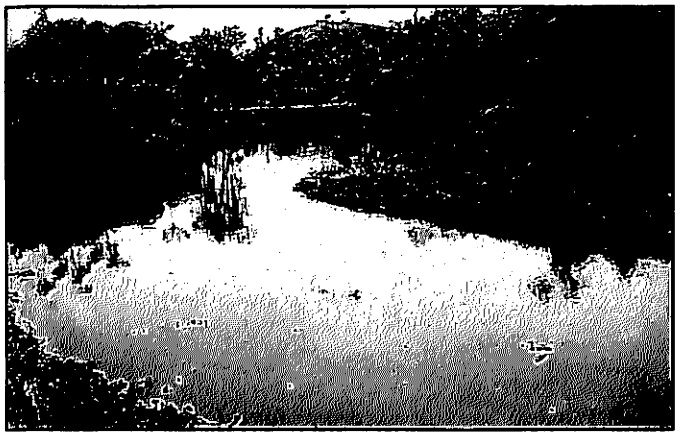

जन जागृति एवम् प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्था ने आदिवासियों के विकास के लिए जन जागृति कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण के कार्यक्रम आयोजित किये हैं। इन कार्यक्रमों में संस्था ने महिला शिविर, 2 नेतृत्व विकास प्रशिक्षण किये हैं जिसकी आदिवासी समाज के महिला-पुरुषों में अच्छी उत्साह की भावना बनी है। भविष्य में संस्था उनके साथ कार्य करने में प्रयत्नशील है जिससे आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में वहाँ के जन समुदाय को जोड़ा जा सके। आदिवासी समाज के रहन-सहन स्तर में सुधार आये और देश की विकास की मुख्य धारा से जुड़ें।

तरुण भारत संघ परिवार 'प्रिन्स आफ वेल्स चेरिटेबल फाउण्डेशन ट्रस्ट' का आभारी है कि इस ट्रस्ट के आर्थिक सहयोग से संस्था को नये क्षेत्र में प्रकृति पर निर्भर जन समुदाय के साथ कार्य करने का अवसर मिला। तरुण भारत संघ ने राजस्थान के अलावा देश के अन्य प्रान्तों की संस्थाओं के साथ मिलकर जल संरक्षण व संवर्द्धन एक जल जागृति के कार्यों में सहयोग किया है ।

(1) बिहार जल बिरादरी अध्यक्ष श्री विजय कुमार

- बिहार में जल आन्दोलन को सक्रिय करना
- बिहार की जल नीति को जनोन्मुखी बनवाने के प्रयास करना
- बिहार के नदी के बेसिन क्षेत्रों का अध्ययन करना

(2) झारखण्ड जल बिरादरी अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश

- झारखण्ड में जल साक्षरता अभियान को सक्रिय करना
- झारखण्ड की जल नीति बनवाने में सुधार करना
- नदी जोड़ परियोजना के विषय में जानकारी जुटाना

(3) राम धीरज, आजादी बचाओ आन्दोलन

- आजादी बचाओ आन्दोलन के प्रणेता श्री रामधीरज जी ने बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा देश की प्राकृतिक सम्पदा पानी की लूट के खिलाफ देशव्यापी आन्दोलन चला रखा है तथा जन जागरण के अभियान में लगे हुए हैं।

(4) ईश्वर चन्द्र, सामाजिक कार्यकर्ता

- अवध क्षेत्र, (उ. प्र.) में जल संरक्षण जनजागृति के लिए जन समुदाय को प्रेरित करने में सहयोग किया है।

(5) कृषि एवं पर्यावरण विकास संस्थान, ग्रा.पो.-तेन्दुरा, वाया-विसुन्दा, जिला-बांदा (उ.प्र.)

- बुन्देलखण्ड क्षेत्र में जल संरक्षण के कार्यों को बढ़ावा देने के लिए किसानों का शैक्षणिक भ्रमण में सहयोग किया। जल जागृति सम्मेलन करना, ग्रामवासियों में सहभागिता बढ़ाने के वास्ते तालाब का सफाई कार्य करना।

(6) ग्रामीण एवं पर्यावरण विकास संस्थान ग्रा. पो. डौल-बागपत (उ.प्र.)

- हिण्डन नदी प्रदूषण मुक्ति के लिए हिण्डन-यमुना संगम के दोनों किनारों के गांवों में जल जागृति पदयात्रा की।
- पदयात्रा के दौरान ग्रामीण बैठक, सम्मेलन आयोजित किये ।
- उत्तर प्रदेश सरकार को ज्ञापन।
- सुप्रिम कोर्ट में पिटीशन फाइल की तैयारी।

(7) गांधी शान्ति प्रतिष्ठान, दिल्ली

– हिन्डन नदी प्रदूषण मुक्ति के अभियान में श्री रमेश शर्मा जी ने पूरा समय दिया।

(8) जन शक्ति @-86 डिफेन्स कॉलोनी, नई दिल्ली

– महिला जनशक्ति विकास कार्यक्रम।

– महिला सम्बन्धित कानूनी प्रक्रिया कार्यक्रम।

– एड्स सम्बन्धी दस्तावेज।

(9) सर्व सेवा संघ, महाराष्ट्र

– ज्ञानेन्द्र कुमार को जल संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए महाराष्ट्र सर्व सेवा संघ के लिए सहयोग दिया ।

(10) त्रेपन्न सिंह, उत्तरांचल

– उत्तरांचल की नदी घाटियों के जल को बचाने के आन्दोलन में सहयोग करना।

(11) अरविन्द कुशवाह

– बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देना एवं बुन्देलखण्ड में जल संरक्षण कार्य में सहयोग करना।

राजस्थान सरकार के साथ जल संरक्षण संवाद

जल संरक्षण के कार्यों को अप्रैल 2004 में राजस्थान सिंचाई सचिव श्री डी. सी. सावन्त जी ने देखने की जिज्ञासा प्रकट की । यह संस्था के लिए सुखद लगा, क्योंकि 1985 से वर्ष 2003-2004 तक के बीते समय में यह पहला अवसर था । राजस्थान सरकार का उच्च अधिकारी तभासं का कार्य देखने स्व-प्रेरित भावना से आये । वरना अलवर के सिंचाई विभाग की आँखों में तभासं के जल संरक्षण के कार्य किरकिरी बने हुए थे ।

श्री डी. सी सावन्त के अनुरोध पर तभासं के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सिंह, श्री कन्हैया लाल, महामन्त्री, श्री गोपाल सिंह जी, श्री जगदीश जी आदि ने भ्रमण कार्यक्रम का समय तय करके सूचित किया। 8 अप्रैल, 2004 को श्री सांवत जी तयशुदा तिथि पर थानागाजी पहुँचे । वहाँ से संस्था के पदाधिकारियों के साथ सरिस्का गये । सरिस्का में भोजन के उपरान्त क्षेत्रीय भ्रमण किया गया । गढ़ बसई, भांवता, हमीरपुर, माण्डलवास, लील्या, धीरोडा के कार्यों को देखा। सांवत जी के साथ महेन्द्र सिंह शेखावत, वरिष्ठ अभियंता, सिंचाई विभाग अलवर भी थे । भ्रमण के दौरान दोनों अधिकारियों ने तरुण भारत संघ के साथ कार्य करने की इच्छा प्रकट की । तभासं द्वारा किये जा रहे जल संरक्षण के कार्यों में श्री शेखावत जी ने तकनीकी सहयोग करने को कहा । ऐसी कोई भी साइट जो जल संरक्षण के लिए उपयोगी हो, उसमें जन सहयोग का अभाव हो, उस कार्य में अलवर सिंचाई विभाग की तरफ से पूरी मदद करने का आश्वासन दिया।

जुलाई में राजस्थान सरकार ने राज्य में निरन्तर बढ़ते जल संकट को देखते हुए जल संरक्षण व संवर्द्धन के लिए एक कमेटी का गठन किया । यह कमेटी आई.डी.एस. के पूर्व निदेशक श्री व्यास की अध्यक्षता में गठित की गई । इसमें जलदाय विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सिंचाई विभाग शामिल हैं । इस कमेटी में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाली स्वयं सेवी संस्थाओं को सदस्य बनाया गया । कमेटी के द्वारा जल संरक्षण व उपयोग सम्बन्धी कई उप कमेटी बनाई गई हैं जिसमें जल का सिंचाई में किस प्रकार से उपयोग हो। इस कमेटी के अध्यक्ष, तभासं के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सिंह हैं । इनकी अध्यक्षता में प्रत्येक माह बैठक की जाती है । सुझावों को संकलित किया जाता है । इस कमेटी में राजस्थान सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी सम्मिलित हैं । इसी प्रकार अन्य कमेटी

है, जो अपने से सम्बन्धित बैठकों में सुझाव संकलित कर रही हैं। संकलित सुझाव व्यास कमेटी नाम से जाने जायेंगे । व्यास कमेटी 30 जून, 2005 तक अपनी रिपोर्ट राजस्थान सरकार को देगी जिसके आधार पर राजस्थान की भावी जल नीति में सुधार किये जायेंगे ।

राजस्थान में भू-जल दोहन के लिए नीति निर्धारण

राज्य में प्राकृतिक रूप से सदियों से जल संकट रहा है। फिर भी यहां के समाज ने अपने लिए उपयोगी जल संरक्षण के साधन विकसित किये । राज्य में आधुनिक विकसित खेती, बढ़ती जनसंख्या, विलासी जीवन की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण जल का उपयोग बढ़ा है। बढ़ते जल उपयोग को देखते हुए, जल रिचार्ज के साधन दिन प्रतिदिन घट रहे हैं। नये जल संसाधन भू-जल दोहन को देखते हुए ना के बराबर विकसित हो रहे हैं । जहां समाज स्वयं अपने अभिक्रम से जल संरक्षण के कार्य करता है, वहां सरकार की ओर से कानूनी टाँग अड़ाई जाती है । समाज का मनोबल तोड़ा जाता है इसलिए तरुण भारत संघ ने आज के परिपेक्ष्य में भू-जल दोहन से सम्बन्धित दस्तावेज तैयार किया है। इसे राजस्थान की मुख्यमन्त्री श्रीमती वसुन्धरा राजे को 25 फरवरी, 2005 में भू-जल संरक्षण सम्मेलन, जयपुर में दिया। राजस्थान जल बिरादरी को भी इस कार्य में मदद करने के लिए सक्रिय किया है, जो राज्य के सभी इलाकों में भू-जल दोहन के प्रभावों से जनता को जागृत करेगी। तभासं राज्य के घटते भू-जल की समस्याओं को लेकर समाज और न्यायालय द्वारा अपनी बात सरकार के कानों व विभाग में पहुंचाने का प्रयास कर रहा है।

व्यक्तियों व उद्योगपतियों के साथ

तरुण भारत संघ ने वर्ष 2004-2005 में देश के जल संकट से ग्रसित भागों में जल संरक्षण के कार्य करने के लिए आगे आने वाले व्यक्तियों, उद्योगपतियों का जल समस्याओं को देखते हुए मार्गदर्शन किया है। इस वर्ष संस्था में देश के विभिन्न भागों से उद्योगपति आये, जिनमें एशियन पेन्ट के मालिक, शेखावाटी क्षेत्र में श्री रघुवर डालमिया ने जल संरक्षण के कार्य शुरू किये हैं। व्यक्तिगत रुचि लेकर स्वयं को जल संरक्षण के कार्य में मदद देने के लिए प्रेरित किया है । अलवर जिले के अलई गांव निवासी पूर्व विधायक श्री हरिसिंह मीणा ने अपने गांव में एनीकट बनाने में अपनी इच्छा-शक्ति एवं गांव की सहभागिता के साथ संस्था के सहयोग से एनीकट का कार्य पूरा किया । ऐसे कई उदाहरण देश में हुए हैं । 8 जनवरी, 2004 को प्रवासी भारतीयों के मुम्बई सम्मेलन में राजेन्द्र सिंह ने अपनी पैतृक जन्मभूमि क्षेत्र में जल संरक्षण का कार्य करने का आह्वान किया ।

समाज के साथ जल संरक्षण-उपयोग पर संवाद

तरुण भारत संघ ने वर्ष 2004-2005 अलवर कार्यक्षेत्र के अतिरिक्त, राष्ट्रीय स्तर पर संवाद किये हैं जिसमें ग्रामीण जन से लेकर विद्यार्थी, अधिकारी, राजनीतिक, उद्योगपति, पर्यावरणविद्, विषय-विषेषज्ञों ने संवाद में भाग लिया ।

नदी प्रदूषण मुक्ति आन्दोलन सक्रिय करना

हिण्डन नदी (उत्तर प्रदेश) में सहारनपुर से नोएडा तक उद्योग के विषर्जित दूषित जल से नदी पूर्ण रूप से प्रदूषित हो चुकी है। तभासं के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पूरे क्षेत्र में नदी प्रदूषण मुक्ति आन्दोलन चलाया गया।

आन्दोलन में क्षेत्रीय समाज सेवियों को सक्रिय किया। दिल्ली में गांधी शान्ति प्रतिष्ठान के श्री रमेश भाई, पत्रकार अरुण तिवारी, वकील व विशेषज्ञों का सहयोग लेकर दो चरणों में नदी के दोनों ओर के 350 से अधिक गाँव में जन चेतना यात्रा की ।

हिण्डन नदी को लेकर इस क्षेत्र में यह पहली यात्रा थी । यात्रा के दौरान महसूस किया गया कि समाज में नदी के प्रति अपनत्व भाव कम होता जा रहा है । फिर भी समाज के साथ चर्चा जरूरी है । पूरे नदी क्षेत्र में एक हलचल हुई। सरकार और उद्योगपति भी सक्रिय हुए। विषय-विशेषज्ञों की लेखनी चलने लगी। पत्र-पत्रिकाओं में हिण्डन आई तो उत्तर प्रदेश सरकार ने भी वर्ष 2005-2006 के बजट में 200 करोड़ का बजट हिण्डन प्रदूषण मुक्ति के लिए रखा। यह तरुण भारत संघ के प्रयासों का ही परिणाम है। हिण्डन जैसी दूषित नदी को प्रदूषण मुक्ति के लिए सरकार सजग हुई है। अब हिण्डन के समाज को जागरूक रहना होगा जो उद्योग पर दबाव बनाये और हिण्डन में दूषित पानी न छोड़े। उद्योगों में लगे संयंत्र से पानी का शुद्धिकरण करें।

कोटा के पर्यावरणविदों के साथ एवं सरकारी अधिकारी एवं कोटा के प्रबुद्ध जनों ने चम्बल नदी एवम् वहाँ के वन्य जीव एवम् पर्यावरण के मुद्दों को लेकर अभियान चला रखा है जिसमें उन्होंने तरुण भारत संघ के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सिंह जी से मार्गदर्शन का अनुरोध किया। श्री राजेन्द्र सिंह ने उनके अनुरोध पर चम्बल नदी एवम वहाँ की वन्यजीव अभयारण्य की समस्याओं की जानकारी सभी प्रबुद्ध जनों से प्राप्त की तथा वन्य जीव एवम् नदी संरक्षण के लिए प्रतिबद्धता दिखाई। कोटा जल बिरादरी के सदस्य श्री ब्रजेश विजयवर्गीय से इस दिशा में कार्य करने को कहा।

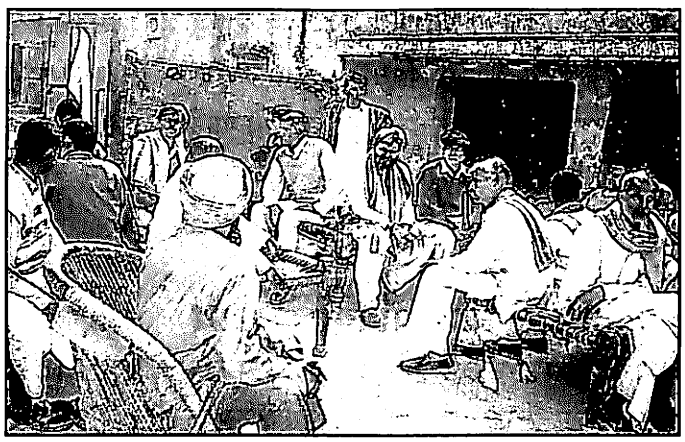

जल यात्रा की समापन प्रक्रिया

जनवरी 2003 से शुरू की गई जल साक्षरता यात्रा देश के 26 राज्यों में की गई । यात्रा का समापन समारोह 19-20 मई, सर्वोदय आश्रम, चित्रकूट पवित्र धाम में किया गया । इस सम्मेलन में उत्तरी व पूर्वी भारत की यात्राओं का वर्णन हुआ । उत्तर प्रदेश में केन-बेतवा नदी जोड़ योजना के विरुद्ध आन्दोलन करने के लिए आह्वान किया गया । बिहार, झारखण्ड, असम, बंगाल, नेपाल व बांग्लादेश की नदी के विषय में गहन चर्चाएं हुईं। यात्रा के अनुभवों से सभी उपस्थित साथियों को अवगत कराया ।

राष्ट्रीय जल सम्मेलन 25-26 जून, 2004

राष्ट्रीय जल सम्मेलन गांधी शान्ति प्रतिष्ठान दिल्ली में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में राष्ट्रीय जल साक्षरता यात्रा के अनुभवों पर खुली चर्चाएं की गईं । देश के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले सदस्यों ने अपनी-अपनी समस्या-समाधानों से उपस्थित जनों को अवगत कराया।

सम्मेलन में पूर्व केन्द्रीय सरकार के नेतृत्व में बनाई गई जल नीति 2002 की खामियों का विरोध किया । सम्मेलन में आये सुझावों से वर्तमान केन्द्रीय सरकार को अवगत कराया ।

नदी जोड़ परियोजना के लागू करने से पहले वैकल्पिक उपायों पर गहनता से विचार करना।
सभी नदी घाटी क्षेत्रों का पर्यावरणीय एवं जैविक विविधता के आधार पर अध्ययन करना आदि सुझाव दिये गये ।

राष्ट्रीय जल बिरादरी के सदस्यों को सक्रिय करना

देश में प्रतिवर्ष बढ़ता जल संकट चिन्ता का विषय बना हुआ है। ऊपर से सरकारी नीतियों में प्राकृतिक जल सम्पदा को राष्ट्रीय सम्पत्ति मान कर निजीकरण करना व बहुराष्ट्रीय कम्पनी के हाथों में सौंपना राष्ट्र की स्वावलम्बी व्यवस्था को तोड़ना है जिससे आम नागरिक गुलामी का जीवन जीने के लिए मजबूर हो जाए। इन सभी दुष्प्रभावों को देखते हुए राष्ट्रीय जल बिरादरी ने निर्णय लिया है कि राज्यों की जल बिरादरियों को सक्रिय किया जाए। पूरे देश में जल संरक्षण एवं संवर्द्धन के कार्य तेज किये जायें। अपने-अपने राज्यों में जल बिरादरी की पंजीयन प्रक्रिया को शुरू किया जाये जिससे पूरे देश में एक वातावरण बने और राज्य व केन्द्रीय

सरकारों पर दबाव बनाया जाये । बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के विरुद्ध जन आन्दोलनों को सक्रिय किये जाने के लिए 27 फरवरी, 2005 की जयपुर की राजस्थान जल बिरादरी की बैठक में निर्णय लिये गये ।

जल संरक्षण के लिए पैरवी

श्री राजेन्द्र सिंह ने जल संरक्षण के लिए पूरे देश में वातावरण बनाने के लिए राजनैतिक स्तर एवं कानूनी स्तर पर देश-विदेश के विद्वान, उद्योगपति, सरकारी, गैर-सरकारी संस्थाओं, शिक्षण संस्थाओं व शहरी-ग्रामीण जन मानस में जल-संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए अभियान चला रखा है । केन्द्रीय सरकार ने इस वर्ष नदी जोड़ परियोजना के अध्ययनों के लिए बनाई विशेषज्ञों की कमेटी में श्री राजेन्द्र सिंह को भी विषय-विशेषज्ञ सदस्य के रूप में लिया है, जो देश की जल समस्या के समाधान में अपने सुझाव देंगे, तथा नदी जोड़ परियोजना विषय का गहराई से अध्ययन विश्लेषण कर, सरकार की नीति पर्यावरण व समाज के मालिकाना हक व देश की स्वावलम्बी व्यवस्था को बनाये रखने का प्रयास करेंगे ।

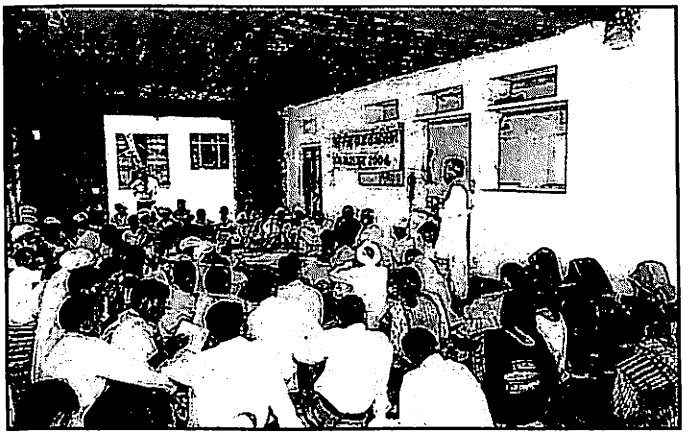

अरवरी संरक्षण

अरवरी संरक्षण के लिए पूरे क्षेत्र की सक्रियता जरूरी है। एक व्यक्ति या एक गांव की सक्रियता से अरवरी का संरक्षण नहीं हो सकता है। इसके लिए अरवरी क्षेत्र में निम्न कार्य किये गये :

- अरवरी संसद को सक्रिय करना।
- नये सांसदों का चुनाव।
- नये सांसदों का प्रशिक्षण ।
- अरवरी क्षेत्र में खाली स्थानों पर जल संरचनाओं का निर्माण करना।
- अरवरी क्षेत्र में किये जा रहे अध्ययनों में सहयोग करना।
- अरवरी नदी कार्य को आस्ट्रेलिया द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय नदी पुरस्कार 2004 से सम्मानित किया गया।
- अरवरी संसद अधिवेशन में लिए गये निर्णयों की पालना करना।
- अरवरी संसद अधिवेशनों की दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया का प्रारम्भ करना।

सरिस्का संरक्षण एवं पर्यावरण कार्यक्रम

पर्यावरण जन जागृति कार्यक्रम

तरुण भारत संघ ने सरिस्का के चारों तरफ पर्यावरण जन जागृति के कार्यक्रमों के द्वारा जन-जन तक पर्यावरण रक्षा के लिए समाज के सभी वर्गों के साथ कार्य किया है । बच्चों से लेकर किशोर, युवा, महिला-पुरुष, बुजुर्ग को भी पर्यावरण की रक्षा-सुरक्षा में जोड़ने का प्रयास किया है जिससे क्षेत्र में वातावरण बना है। समाज में जागरूकता बढ़ी है। उत्साह... है। इसके लिए तरुण भारत संघ द्वारा बच्चों में पर्यावरण रक्षा संस्कार विकसित करने के लिए प्रयास किये हैं :

पदयात्राएं

वर्षा काल में संस्था के कार्यकर्ताओं ने गांव-गांव में पदयात्राएं की हैं । ग्रामवासियों से सम्पर्क किया है। पदयात्रा के दौरान गांव-गांव में पौधे वितरण किये हैं । समाज के हर आयु वर्ग के बच्चे, युवा, महिला-पुरुष को वृक्षारोपण कार्यों में लगाया है।

नई देवबनी स्थापना

इस वर्ष संस्था ने सरिस्का के आस-पास के क्षेत्र में 5 देवबनियों की स्थापना की है। इस कार्य में पौधे संस्था ने दिये हैं तथा पौधा रोपण का कार्य वहाँ के समाज ने स्वयं किया है। अब समाज अपने प्राकृतिक संसाधनों के प्रति चिन्तित है। सामूहिक रूप से अपने प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के लिए प्रयास कर रहा है।

पर्यावरण प्रेमी समाज का सम्मान

इस वर्ष 5 ग्राम सभाओं को वन्यजीव संरक्षण सप्ताह के अवसर पर पर्यावरण प्रेमी पुरस्कार से सम्मानित किया। यह सम्मान 2 अक्टूबर, 2004 को तरुण भारत संघ के प्रांगण में सार्वजनिक रूप से दिया गया है जिससे ग्रामवासियों के कार्यों को प्रोत्साहित किया जा सके और समाज में अच्छे संस्कार बढ़ें। सम्मानित ग्राम सभाओं में उत्साह है। अन्य ग्राम सभाओं में इसका अच्छा सन्देश है। डी.आई.जी श्री अजित सिंह, श्री गिरधारी लाल बापना, श्री राजेन्द्र सिंह ग्रामसभाओं को सम्मानित किया।

स्कूली छात्रों को पर्यावरण कार्यक्रम

संस्था ने माह सितम्बर, अक्टूबर, 2004 में आसपास के स्कूलों में सम्पर्क किया। अध्यापकों व छात्रों से पर्यावरण संरक्षण में सहयोग की अपील की तथा पर्यावरण के विषय में जानकारी दी और अपने-अपने गांव में पर्यावरण कार्य करने के लिए सुझाव दिये। एक दिवसीय तरुण आश्रम में 5 स्कूलों के 11वीं क्लास के छात्रों व अध्यापकों के साथ चर्चा की, पौधे दिये तथा जानकारी के लिए पर्यावरण सम्बन्धी डॉक्यूमेन्टरी फिल्म भी दिखाई गई जिसका छात्रों पर अच्छा प्रभाव रहा।

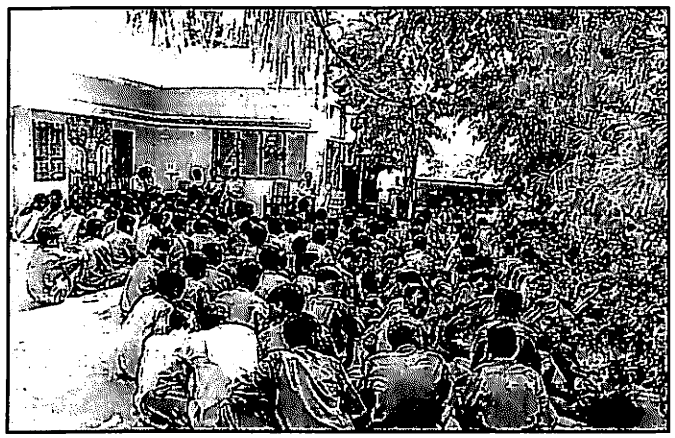

तरुण भारत संघ के परिसर में स्कूली छात्रों को पर्यावरण की जानकारी देते हुए तरुण भारत संघ के कार्यकर्ता

वन्यजीव अभयारण्य संरक्षण कार्यक्रम

तरुण भारत संघ ने इस वर्ष अप्रैल से दिसम्बर तक सरिस्का के आस-पास के 288 गांवों में जन प्रतिनिधियों, जन समुदाय के साथ जुड़कर और उनके विचारों को सरिस्का के प्रति प्रेरित करके भावनात्मक, व्यावहारिक रूप से सरिस्का संरक्षण कार्य से जोड़ा है और सरिस्का संरक्षण के लिए विभिन्न प्रकार के कार्य समाज के साथ जुड़ कर किये हैं।

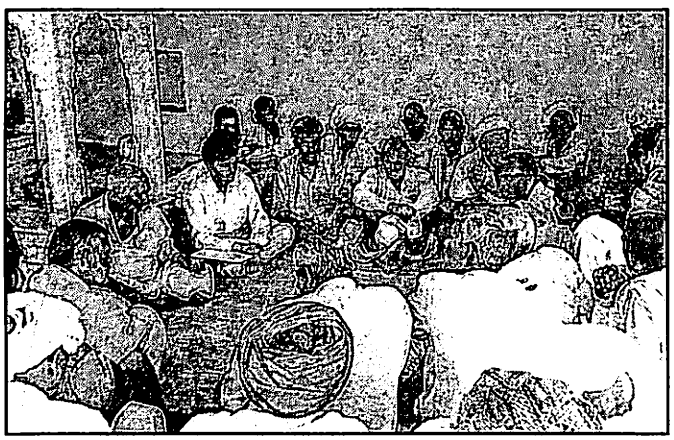

सरिस्का संरक्षण संसद

288 गांवों में ग्रामस्तरीय सभाओं का गठन किया है जिसमें गांव के सभी ग्रामवासी सदस्य होते हैं । ग्रामसभाओं से चुना गया एक आदमी सरिस्का संरक्षण संसद का प्रतिनिधित्व करता है, जिसे सरिस्का संरक्षण संसद या सरिस्का संरक्षण सदस्य कहते हैं। इसमें 300 से अधिक सदस्य हैं, जो गांव की सहमति से पूरा प्रतिनिधित्व करते हैं। इस सरिस्का संरक्षण संसद में सभी वर्गों के लोगों को शामिल किया गया है जो सरिस्का अभयारण्य के प्रति पूरी तरह से समर्पित हैं। सरिस्का संसद की वर्ष में चार मीटिंग होती हैं । इस वर्ष तीन मीटिंग का आयोजन किया गया है।

सरिस्का संसद के कार्य

- जंगल कटाई पर रोक लगाना।
- क्षेत्रीय शिकारियों को समझाना, समर्पण कराना।
- सरिस्का क्षेत्र में जल संरक्षण के कार्यों में सहयोग करना।
- जंगल को नुकसान पहुचाने वाले लोगों के प्रति सतर्क रहना तथा उनके खिलाफ कार्यवाही करना।

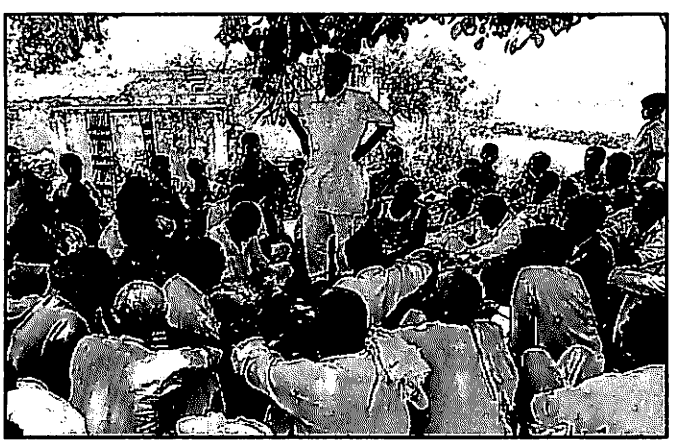

सरिस्का संसद को सम्बोधित करते हुए राजेन्द्र सिंह

- सरिस्का क्षेत्र में तथा अपने-अपने गांव में वृक्षारोपण के कार्य करना।
- सरिस्का अभयारण्य विभाग की हर सम्भव मदद करना।
- दोषी वनकर्मियों के विरुद्ध कार्यवाही करना।
- तभासं. के प्रयास से सरिस्का क्षेत्र के 288 गांवों में ग्राम सभाएं गठित की गई हैं जो पूर्ण रूप से सक्रिय हैं।
- ग्रामसभा नाण्डू के लोगों ने जंगल कटाई में लिप्त सरिस्का रेन्ज की नाण्डू नाका चौकी के वनकर्मियों के विरुद्ध कार्यवाही की।
- नाहरसति में (सरिस्का सीलीबेरी चौकी पर) बालेटा रेन्ज के शिकारियों का समर्पण कराया।
- भर्तृहरि स्थान पर सभी दुकानदारों की सरिस्का पर्यावरण सुरक्षा समिति का गठन कराके सरिस्का सुरक्षा में लगाया है तथा उन्हीं के हाथों वृक्षारोपण के कार्य कराये हैं। वृक्षों के पोषण की जिम्मेदारी भी सभी दुकानदारों ने ली है। वृक्षारोपण में पौधे की सुरक्षा के लिए सीमेन्ट कंकरीट के गोल गार्ड बनवाये हैं।
- सरिस्का के उत्तरी भाग की रामपुर चौहान (बानसूर) चौकी पर मीणा व जाट समुदाय के लोगों को लकड़ी कटाई कार्य से रोका गया है और खेती के कार्यों में लगाया है। यहां के लोगों को रोजगार के लिए जल संरक्षण के कार्यों पर लगाया है जिसमें समुदाय की भी जिम्मेदारी रही है।

सरिस्का सुरक्षा कार्य में आने वाली सामाजिक कार्यकर्ताओं को परेशानी

- समाज की सहभागिता से किये जा रहे कार्यों को वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा सहयोग न करना।
- वनकर्मियों की गलती को दबाना और सामाजिक कार्यकर्ताओं के विरुद्ध कार्यवाही करके, कार्यकर्ताओं के मनोबल को कमजोर करना।
- सरिस्का संरक्षण कार्यकर्ताओं को सरिस्का के सम्बन्ध में जानकारी उपलब्ध न कराना।
- सरिस्का के आस-पास नई बसावटों को अनदेखा करना।
- शिकारी व्यक्तियों की पहचान नहीं करना।

समाज की सहभागिता के अभाव का परिणाम

सरिस्का वन्यजीव अभयारण्य बाघ के लिए विश्वविख्यात है। पर अब सरिस्का बाघ विहीन हो गया है। जनवरी 2005 के आरम्भ में सरिस्का के कर्मचारियों ने बाघ की कमी को सार्वजनिक रूप से समाचार पत्रों के जरिये जानकारी दी कि सरिस्का में नवम्बर 2004 से बाघ की किसी प्रकार की गतिविधि को महसूस नहीं किया गया है। अब सरिस्का में कहीं भी दूरदराज में बाघ की आवाज सुनाई नहीं देती और न ही बाघ के पग-चिह्न जिससे कहा जा सके कि सरिस्का में बाघ हैं। सभी सरकारी कर्मचारी पूरी नींद में थे। अब आँख खुली है। जब सरिस्का बाघ विहीन हो गया है। अब रोज जयपुर-दिल्ली में मीटिंग हो रही है। टाइगर को तलाशने के लिए अभियान चलाये जा रहे हैं। 1 फरवरी से बाघ की खोज के लिए ट्रेकिंग शुरू किया है। वनकर्मी अभी भी यह कहते नहीं थकते कि बाघ ऊपर पहाड़ों पर अपनी माद में चले गये हैं । उन्हें अक्टूबर की वर्षा के कारण ऊंचे स्थानों पर ही पानी व भोजन मिल जाता है।

बाघ की सुरक्षा में लगे 300 से भी अधिक वनकर्मियों के बीच से देखते-देखते ही इस तरह से बाघ का गायब होना एक दिन या दो चार महीने का कार्य नहीं है। सरिस्का में

शिकारियों का दबाव पिछले दो साल से नजर आ रहा था। सरिस्का के बाहरी क्षेत्रों में भी शिकारियों की वन्य जीवों के शिकार की गतिविधियां पाई गई थीं। जनवरी 2003 में क्यारा गांव के पास मृत पशु के अस्थि-पिंजर से रात्रि में किसी शिकारी ने लोहे का फंदा बांध दिया था जिसमें हाईना का पैर फंस गया और वह पूरी तरह से फंस गया था। सुबह के समय तरुण भारत संघ के कार्यकर्ता संस्था कार्य से जा रहे थे। उन्होंने हाईना को फंदे में फंसा देखा तो थानागाजी जाकर तुरन्त सरिस्का में वनकर्मियों को सूचित किया। तब जाकर वनकर्मी उस हाईना को जीवित पकड़ कर ले गये। परन्तु इस घटना के बाद किसी भी वनकर्मी ने फंदा लगाने वाले शिकारी को नहीं खोजा और न ही सामाजिक कार्यकर्ताओं का सहयोग लिया । इन घटनाओं के चलते आज सरिस्का बाघ विहीन अपना नैसर्गिक स्वरूप खोता दिखाई देता है। इसमें सरकारी कर्मचारियों के साथ क्षेत्रीय शिकारी व तस्करों का गठजोड़ है जो सरिस्का के वन्यजीवों के शिकार में लिप्त है।

ऐसी स्थिति में सामाजिक कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी निम्न कार्यों के प्रति बढ़ी है :

- गांव-गांव में शिकारियों पर पूरी तरह से नजर रखना, विभाग के लोगों को बताना।
- शिकारियों के साथ सम्बन्ध रखने वाले व्यक्तियों पर नजर रखना, विभाग के लोगों को बताना।
- सरिस्का वन्यजीव संरक्षण के प्रति समाज को पूरी मुस्तैदी के साथ सक्रिय करना।
- अभयारण्य के कर्मचारियों के साथ पूरा सहभागितापूर्ण कार्य करना।

माह जनवरी से बाघों की सूचना मिलते ही तरुण भारत संघ के सभी कार्यकर्ता व ग्रामसभाओं के सदस्यों ने अपने-अपने स्तर से शिकारियों की जानकारी की है और वन विभाग को व केन्द्र सरकार द्वारा गठित कमेटी को भी अवगत कराया है। वन विभाग के अधिकारियों के साथ 15 दिन में मीटिंग की गई है। क्षेत्र की जानकारी से अवगत कराया गया है। तरुण भारत संघ ने अपने कार्यक्षेत्र में ग्रामसभाओं के साथ-साथ राज्य स्तरीय मीटिंग सरिस्का में विलुप्त होते बाघ पर चिन्तन बैठक 24 फरवरी को राजस्थान विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग में आयोजित की जिसमें गांव के ग्रामीण लोग, भूतपूर्व विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, वन्य जीव प्रतिपालक श्री वी. डी. शर्मा व जे. आर. सैनी व वर्तमान वन्य जीव प्रतिपालक, राजस्थान के सभी अभयारण्यों के क्षेत्रीय निदेशक अधिकारी, सरिस्का के पूर्व अवकाश प्राप्त क्षेत्र निदेशक के. एल. सैनी, सभी ने सरिस्का से विलुप्त बाघ पर अपने-अपने विचार रखे और वन व वन्य जीवों के संरक्षण के लिए सुझाव दिए । मीटिंग के सुझावों से राज्य सरकार व केन्द्र सरकार को अवगत कराया गया है और तुरन्त कार्य करने की सिफारिश की है। सरिस्का के अन्दर 20 मार्च से केन्द्र सरकार ने सी.बी.आई. से जाँच कराने के आदेश दिये हैं। जाँच के दौरान तीन शिकारियों को पकड़ा है। उन्होंने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया है। इन शिकारियों के सम्बन्ध विख्यात तस्कर संसारचन्द से हैं। अब सरिस्का के साथ-साथ रणथम्भौर में भी बाघों की घटती संख्या को लेकर वहां भी जाँच की जा रही है। वहां अब सुरक्षा के लिए अतिरिक्त बल लगाये गये हैं जो पूर्ण चौकसी करेंगे। वह आधुनिक हथियारों से लैस है। संरक्षित वन क्षेत्रों में बसी आबादी को स्थानान्तरित कराना व खनन कार्यों को बन्द कराने के विचार सरकारी स्तर पर व न्याय पालिकाओं तथा राजनेताओं द्वारा उठाये जा रहे हैं। सी.बी.आई. जाँच के दौरान जो सुझाव केन्द्र सरकार को दिये जाएंगे, उनकी पालना होती है तो यह पूरे देश के वन्य-जीव अभयारण्यों के लिये होगी। सरिस्का में राज्य सरकार व केन्द्र सरकार सभी बुद्धिजीवी, पर्यावरण प्रेमी समाज, बाघ की पुन: वापसी के लिए गम्भीर हैं।

तरुण भारत संघ का सरिस्का संरक्षण संसद के प्रस्तावों को ध्यान में रखते हुए वन एवम् वन्य जीव संरक्षण में समाज की सहभागिता वन विभाग के साथ विचार-विमर्श जारी है ।

पर्यावरण नीति

माह अक्टूबर 2004 में पर्यावरण नीति का प्रारूप इकोनॉमिक अफेयर मन्त्रालय ने तैयार किया और तीन नवम्बर तक जनता के सुझाव मांगे गये । इस प्रारूप की सूचना जनता इन्टरनेट पर अंग्रेजी में दी गई, जबकि 70 प्रतिशत जनता गाँव में आज भी रहती है। 2 प्रतिशत से भी कम लोग अभी भारत में इन्टरनेट का इस्तेमाल करते हैं। 2 प्रतिशत से भी कम जनता अंग्रेजी जानती है। ऐसी हालत में जनता के सुझावों का क्या महत्व रहता है? तरुण भारत संघ ने पर्यावरण नीति को लेकर व्यापक पैमाने पर देश भर में जन संवाद शुरू किया जिसमें देश की स्वयं सेवी संस्थाओं, सरकारी अधिकारी व विश्वविद्यालयों के प्राध्यापकों से पर्यावरण नीति के प्रारूप पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इसके बाद भारत सरकार को भारत की जनता के सुझावों से अवगत कराया है।

कार्यकर्ता शिक्षण/प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्था के कार्यकर्ताओं की क्षमता वृद्धि के लिए प्रशिक्षण दिलाया, जिससे कार्यकर्ता की कुशलता बढ़े। साथ ही संस्था के कार्यों में गति आये और समाज को भी इसका लाभ मिले। इसी आशा के साथ निम्न प्रकार के प्रशिक्षण के कार्य किये–

- क्षेत्रीय अनुभवों के आकलन का प्रशिक्षण श्री सिद्धराज ही ढढ्डा और श्री राजेन्द्र सिंह द्वारा किया गया ।
- जी.पी.एस. का तकनीकी प्रशिक्षण श्री शैलेन्द्र सोलंकी द्वारा किया गया।
- गांव के प्राकृतिक संसाधनों के रख-रखाव का विश्लेणात्मक प्रशिक्षण डा. एम. एस. राठौड़, आई.डी.एस., जयपुर द्वारा किया गया।
- पुस्तकालय दस्तावेजीकरण करने का प्रशिक्षण सी.एस.ई. द्वारा किया गया।
- जल संरक्षण कार्यों के लिए तकनीकी प्रशिक्षण श्री आनन्द कपूर और डा. जी. डी. अग्रवाल द्वारा किया गया।

उक्त प्रशिक्षण संस्था द्वारा समय-समय पर अपने कार्यकर्ताओं को दिलाये हैं जिससे कार्यकर्ताओं की कुशलता बढ़ी है । संस्था के कार्यों का दस्तावेजीकरण हुआ है ।

समाज सेवी कार्यकर्ताओं का सम्मान

इस वर्ष तरुण भारत संघ ने देश के ऐसे जुझारू आन्दोलनकारी समाज कार्यों में समर्पित समाज सेवकों का सम्मान किया है जिनका जीवन जय प्रकाश और गांधी-विनोबा के विचारों को युवा पीढ़ी में पहुंचाने में प्रयासरत है । सर्व सेवा संघ

महाराष्ट्र के श्री ज्ञानेद्र कुमार को 24 अप्रैल, 2004 को तरुण आश्रम में सम्मानित किया गया तथा श्री राम धीरज को इलाहाबाद में सम्मानित किया।

संस्था के कार्यकर्ता जल संरक्षण के प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण व संवर्द्धन के कार्यों में रचनात्मक कार्यों के साथ-साथ ग्रामीण समाज को संगठित एवम् समाज की क्षमता वृद्धि और उसे व्याहारिक रूप में सहभागिता के साथ समाज कार्यों में लगाने का प्रयास करते हैं। चाहे वह रात्रि हो, दिन हो, धूप, वर्षा की चिन्ता न करते हुए समाज के साथ सतत संवाद करते हैं । जहां भी समस्याएं आती हैं, उसे ग्राम स्तर पर, क्षेत्रीय स्तर पर आपस में बैठकर समस्याओं का समाधान करते हैं जिससे समाज की विकास की अवरुद्ध गति गतिशील बनी रहती है ।

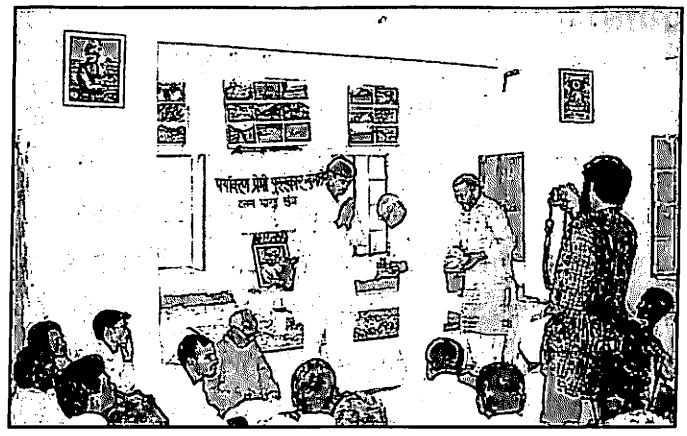

24 मई, 2004 को सीडा के प्रतिनिधि श्री ओवे एन्डरसन व श्री रमेश मुकल्ला तरुण भारत संघ के कार्यों का अवलोकन करने आये। प्रतिनिधिमण्डल का कार्यक्रम सर्वप्रथम सरिस्का के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के रामपुर चौहान देवी मन्दिर में रखा। वहां पूरे क्षेत्र के सभी ग्रामवासी एकत्रित थे। प्रतिनिधिमण्डल का सभी ने स्वागत किया। स्वागत के बाद सभी ग्रामवासियों के साथ बैठक हुई। ग्रामवासियों के द्वारा जल संरक्षण की दिशा में किये जा रहे कार्यों से ग्रामीणों ने प्रतिनिधिमण्डल को अवगत कराया। साथ ही जंगल कटाई एवम् लकड़ी के व्यापार बन्द होने से बेरोजगार युवकों को रोजगार विकल्प के रूप में जल संरक्षण एवं खेती के कार्यों में लगना सभी ग्रामवासियों ने अच्छा बताया। बैठक में सरिस्का वन्यजीव अभयारण्य के निदेशक व रामपुर रेन्ज के सभी वनकर्मी भी उपस्थित थे। क्षेत्रीय निदेशक श्री शेखावत जी ने सरिस्का के उत्तरी-पूर्व क्षेत्र में जंगल कटाई पर रोक लगाने पर ग्रामसभा व तरुण भारत संघ का आभार प्रकट किया । विभाग भी ग्रामसभाओं के साथ समन्वय स्थापित करके जंगल व जल संरक्षण कार्यों के द्वारा ग्रामीण युवाओं को रोजगार देने का प्रयास करेगा जिससे सरिस्का संरक्षण में ग्रामीणों को बढ़ावा मिलेगा। बैठक में ओवे एन्डरसन जी ने भी अपने विचारों से ग्रामसभा सदस्यों को अवगत कराया और सरिस्का संरक्षण कार्य में ग्रामीणों के सहयोग

की सराहना की। बैठक के बाद जंगल कटाई के कार्य को बन्द कर, जल संरक्षण के कार्यों में लगे व्यक्तियों से बातचीत की तथा जल संरक्षण के कार्यों को देखा। रामपुर में छीड वाला एनीकट का शिलान्यास भी किया और 4 बजे सरिस्का के लिए रवाना हुए और भोजन एवं विश्राम किया ।

26 मई की सुबह थानागाजी में सीडा परियोजना के अन्तर्गत ग्रामसभा संगठन, जल संरक्षण के कार्यों को देखने, समझने के लिए अरवरी क्षेत्र भांवता, हमीरपुर, समरा कार्यों को देखते हुए 11.00 बजे तरुण आश्रम पहुंचे। आश्रम में सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं के साथ व राजस्थान जल बिरादरी की सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। श्री ओवे एन्डरसन ने सभी के विषय में जानकारी ली और सीडा के द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यों की सभी को जानकारी दी। सामाजिक कार्यों में युवाओं की भूमिका को समय की मांग बताया। बैठक में उपस्थित जनों का धन्यवाद किया और बैठक के बाद सभी के साथ दोपहर का भोजन लिया।

भोजन उपरान्त करीब 1.30 बजे श्री ओवे एन्डरसन व श्री रमेश मुकल्ला जी से तरुण भारत संघ के कार्यकारिणी सदस्यों व कार्यकर्ताओं के साथ कोर मीटिंग की जिसमें एक वर्ष के कार्यों की समीक्षा की गई। श्री ओवे एन्डरसन जी ने समीक्षा के दौरान तरुण भारत संघ द्वारा किये जा रहे जल संरक्षण और ग्रामीणों के सामाजिक कार्यों को सहभागिता बढ़ाने का बुनियादी कार्य माना और कार्य की प्रशंसा की। तीन बजे आश्रम से चलकर लगभग साढ़े चार बजे गाँव कुण्डला में पहुँचे वहां बन रहे आंगुराणा एनीकट का उद्घाटन किया । गांव वालों से बातचीत की। श्री ओवे एन्डरसन ने बातचीत में कहा कि मैं अब अपने देश जा रहा हूँ। जब भी कभी भारत आऊंगा तो सभी ग्रामवासियों से एक बार मिलने अवश्य आऊंगा। भारत में 8 साल रहा । मुझे बहुत अच्छा लगा। आप सबके अच्छे कामों की यादें मैं अपने साथ ले जा रहा हूँ। आप सब ग्रामवासी आपस में मिलकर और भी अच्छे कार्य करेंगे, ऐसी आशा करता हूँ । उपस्थित ग्रामीण जनों ने श्री ओवे एन्डरसन को विदाई दी और वहीं से राजगढ़ होते हुए दिल्ली के लिए रवाना हो गये।

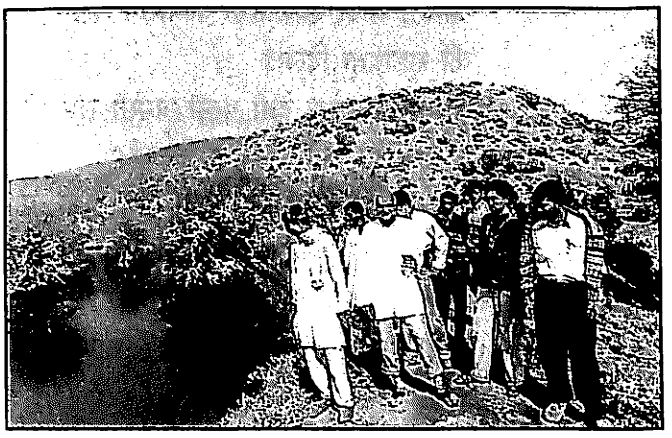

उत्तरांचल प्रदेश से आए मेहमानों के साथ बातचीत व कार्य अवलोकन करते हुए सर्वोदय विचारक श्री सतीश कुमार, सुमाकर कॉलेज, इंग्लैण्ड साथ में राजेन्द्र सिंह और कन्हैयालाल गुर्जर

अतिथियों का शिक्षण-प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम

इस वर्ष तरुण भारत संघ के क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण व संवर्द्धन की दिशा में किये गये कार्यों को देखने-समझने के लिए हजारों अतिथि आये जिनमें किसान, विद्यार्थी, अनुसंधानकर्ता, गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि, सरकारी अधिकारी, राजनैतिक लोगों, पत्रकार, लेखक, विचारकों ने संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यों को देखा-समझा है।

संस्था के कार्यकर्ताओं ने आये महमानों का स्वागत व सम्मान के साथ सामाजिक उत्थान की दिशा में किये जा रहे कार्यों की जानकारी मेहमानों को दी । आये मेहमानों के साथ विचारों का आदान-प्रदान करते हैं।

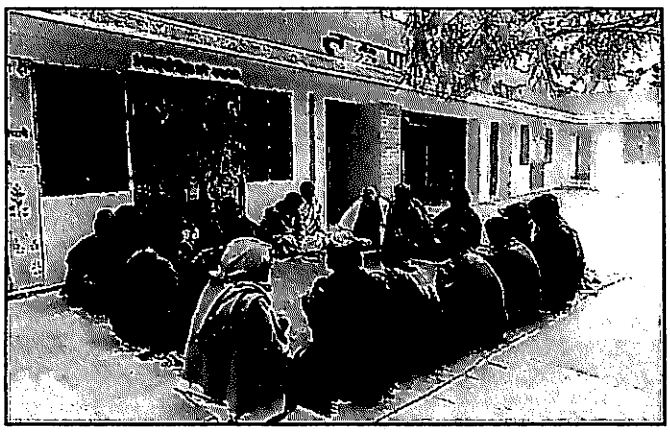

दस्तावेजीकरण

संस्था ने इस वर्ष अपने क्षेत्र में किये गये कार्यों का विश्लेषणात्मक अध्ययन कराया है तथा सामाजिक कार्यों के अनुभवों को संकलित करने का प्रयास किया है।

- क्षेत्रीय पांच नदी, अरवरी, सरसा, रूपारेल, भगाणी-तिलदेह, जहाजवाली नदी क्षेत्र के 300 रचनात्मक कार्यों का अध्ययन
- राष्ट्रीय जल यात्रा का दस्तावेजीकरण
- फोटोग्राफी
- करौली व सवाई माधोपुर क्षेत्र में संस्था द्वारा किये गये कार्यों का अध्ययन
- पर्यावरण नीति के प्रारूप
- हिण्डन नदी यात्रा

गरीब व असहाय लोगों को आर्थिक सहयोग दिलाने में सहायता करना

इस वर्ष तरुण भारत संघ ने 5 ऐसे असहाय लोगों को आर्थिक मदद दिलाई जिनकी अत्यधिक दयनीय स्थिति थी। जिन पर ब्याज पर पैसा देने वाले लोगों का कर्ज था। खेती ठीक से नहीं होने के कारण कर्ज बढ़ता ही गया।

- श्रीमती सोनी देवी पत्नी हनुमान सहाय मीणा निवासी-बाछड़ी, थानागाजी, अलवर को 4,000 रु. की सहायता दिलाई।
- श्रीमती धापा देवी पत्नी कानाराम बलाई, ग्राम-भांवता, थानागाजी-अलवर को 4,000 रु. की सहायता दिलाई
- श्रीमती नारायण देवी पत्नी जनसी राम मीणा, ग्राम-समरा, थानागाजी, जिला अलवर को 7,000 रु. की सहायता दिलाई।
- श्रीमती प्रेम देवी पत्नी हरजी ग्राम-राड़ा, पोस्ट घेवर, थानागाजी, अलवर को 10,000 रु.
- श्री नारायण गुर्जर निवासी-भांवता, तहसील-थानागाजी, अलवर को 5,000 रु. ।

इस प्रकार 30,000 रु. (तीस हजार रुपये मात्र) सहायक राशि मुम्बई के उद्योगपतियों द्वारा दिलाई गई।

मुख्य घटनाक्रम

- 8 अप्रैल, 2004 को राजस्थान सिंचाई विभाग के सचिव श्री डी. सी. सांवत का तरुण भारत संघ के कार्यों का अवलोकन।
- 24 अप्रैल को सुनील गुप्ता, रोटरी क्लब के अध्यक्ष द्वारा तरुण भारत संघ के साथ जल संरक्षण के कार्य के विषय में जानकारी।
- 19-20 मई, 2004 को चित्रकूट में राष्ट्रीय जल साक्षरता यात्रा का समापन ।
- 24 मई, 2004 सीडा के प्रतिनिधि श्री ओवे एन्डरसन, श्री रमेश मुकल्ला द्वारा तरुण भारत संघ के कार्यों का अवलोकन
- 24-25 जून, 2004 को दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय जल सम्मेलन में राष्ट्रीय जल नीति के संदर्भ में लिए गये सुझावों का भारत सरकार को ज्ञापन दिया ।
- 4 जुलाई, 2004 को एशियन पेन्ट्स के प्रतिनिधियों ने तरुण भारत संघ के कार्यों का अवलोकन किया।
- दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय जल सम्मेलन में राष्ट्रीय जल नीति के संदर्भ में लिए गये सुझावों का भारत सरकार को ज्ञापन दिया।
- जुलाई में पंजाब-हरियाणा के जल विवाद के चलते हुए, राजस्थान का पक्ष रखते हुए प्रेस कान्फ्रेन्स, राज्यस्तरीय चर्चाएं की गईं ।
- 30 सितम्बर की आस्ट्रेलिया में अरवरी नदी को अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया।
- 2 अक्टूबर, 2004 को तरुण आश्रम, भीकमपुरा में 5 ग्रामसभाओं को पर्यावरण एवं जल संरक्षण के कार्यों के लिए सम्मानित किया।
- अक्टूबर 2004 भारत सरकार द्वारा बनाई गई पर्यावरण नीति का अध्ययन व विश्लेषण कर भारत सरकार को ज्ञापन दिये।
- जनवरी 2005 में भारत सरकार ने केन्द्रीय जलनीति व नदी जोड़ योजना के लिए बनाई गई टास्क फोर्स एक्सपर्ट कमेटी में श्री राजेन्द्र सिंह को सदस्य मनोनीत किया गया ।
- कपार्ट, दिल्ली केन्द्रीय स्तर की कमेटी के सदस्य व राजस्थान में राज्य स्तरीय कमेटी में श्री राजेन्द्र सिंह को सदस्य बनाया।
- 24 फरवरी, 2005 में सरिस्का के विलुप्त बांध पर राष्ट्र स्तरीय चिन्तन बैठक के निर्णयों से भारत सरकार व राज्य सरकार को ज्ञापन दिया ।
- 25-26 फरवरी, 2005 को राजस्थान में घटते भू-जल व जल-दोहन के मुद्दों पर राजस्थान सरकार को एक "भू-जल दोहन" का नीति ज्ञापन दिया तथा राज्यस्तरीय जनजागृति अभियान चलाने का निर्णय लिया।
- 27 फरवरी, 2005 में राजस्थान जल बिरादरी का पंजीयन कराने का निर्णय लिया गया।
- मुम्बई में प्रवासी भारतीयों के सम्मेलन में जल संरक्षण के कार्य करने के लिए आह्वान किया।
- 15 मार्च, 2005 में तरुण जल विद्यापीठ की भावी रूपरेखा कार्यनीति पर राष्ट्रीय स्तर पर सुझाव-संगोष्ठी।

सीडा परियोजना के अंतर्गत किये गये फिजीकल कार्य (2004-05)

क्र. सं.	कार्य का नाम	गांव का नाम	तहसील	जिला	संस्था द्वारा भुगतान	गांव का सहयोग	कार्य का विवरण
1.	तिलदेह एनीकट	रामपुर	राजगढ़	अलवर	32,400.00	11,000.00	मरम्मत कार्य हुआ
2.	आगोराण एनीकट	कुण्डला	राजगढ़	अलवर	3,92,996.00	1,31,000.00	नया पूर्ण कार्य हुआ
3.	बहड़ा वाला जोहड़	कुण्डला	राजगढ़	अलवर	1,79,852.00	87,254.00	पूर्ण कार्य हुआ
4.	भोज्या वाला जोहड़	कुण्डला	राजगढ़	अलवर	27,951.00	13,314.00	पूर्ण कार्य हुआ
5.	धधावन वाला एनीकट	जोगीवाला	राजगढ़	अलवर	280.00	140.00	मरम्मत कार्य
6.	कुरातली का जोहड़	घेवर	राजगढ़	अलवर	11,655.00	5,509.00	मरम्मत कार्य
7.	उणावाला जोहड़	नायला	राजगढ़	अलवर	52,788.00	26,386.00	नया
8.	नीमली वाली जोहड़ी	नायला	राजगढ़	अलवर	13,438.00	6,718.00	मरम्मत कार्य
9.	सोनावाला बाँध	राड़ा	राजगढ़	अलवर	1,87,769.00	85,971.00	मरम्मत कार्य
10.	रूपनाथ जी का जोहड़	देवरी गुवाड़ा	राजगढ़	अलवर	45,284.00	20,816.00	नया
11.	सलाहवाला जोहड़	देवरी गुवाड़ा	राजगढ़	अलवर	74,088.00	37,041.00	नया
12.	काला खेत वाला एनीकट	देवरी गुवाड़ा	राजगढ़	अलवर	11,270.00	8,600.00	मरम्मत कार्य
13.	काला पापड़ा वाला जोहड़	कुण्डला	राजगढ़	अलवर	15,827.00	7,913.00	नया
14.	भर्तृहरी बाबा का जोहड़	कुण्डला	राजगढ़	अलवर	52,723.00	26,361.00	नया
15.	कोटा वाला जोहड़	कुण्डला	राजगढ़	अलवर	72,210.00	36,051.00	नया
16.	माता माई का जोहड़	कुण्डला	राजगढ़	अलवर	35,555.00	18,272.00	नया
17.	भौमिया वाला जोहड़	कुण्डला	राजगढ़	अलवर	3,42,577.00	1,71,282.00	नया
18.	मौजनाथ जी का जोहड़	पीलापानी	राजगढ़	अलवर	96,750.00	26,233.00	नया
19.	काला पापड़ा वाला जोहड़	दबकन	राजगढ़	अलवर	37,823.00	18,907.00	मरम्मत कार्य
20.	कुचा वाला एनीकट	कुचा	राजगढ़	अलवर	65,096.00	45,480.00	नया
21.	देवली जोहड़ी	कांकवाड़ी	राजगढ़	अलवर	19,068	8,697.00	नया
22.	भौमिया वाला बाँध	मांड़वास	राजगढ़	अलवर	2,33,231.00	10,737.00	मरम्मत कार्य
23.	वसील वाला एनीकट	अलाई	राजगढ़	अलवर	4,98,268.00	1,82,476.00	नया

क्र. सं.	कार्य का नाम	गांव का नाम	तहसील	जिला	संस्था द्वारा भुगतान	गांव का सहयोग	कार्य का विवरण
24.	बीड़ वाला जोहड़	कुण्डला	राजगढ़	अलवर	43,974.00	21,989.00	नया
25.	केसर का एनीकट	कुण्डला	राजगढ़	अलवर	18,520.00	18,520.00	नया
26.	धीरोड़ा एनीकट	धीरोड़ा	राजगढ़	अलवर	11,367.00	7,278.00	मरम्मत कार्य
27.	महादेव का एनीकट	वीरपुर	राजगढ़	अलवर	11,410.00	11,410.00	नया
28.	गादड़ वाला जोहड़	बाटाला	राजगढ़	अलवर	61932.00	30,960.00	नया
29.	धैला राड़ा वाला जोहड़	बाकाला	राजगढ़	अलवर	39,328.00	18,791.00	मरम्मत कार्य
30.	नाड़ा वाला जोहड़	लील्या	राजगढ़	अलवर	24,207.00	13,920.00	मरम्मत कार्य
31.	कदमवाला जोहड़	गु. देवरी	राजगढ़	अलवर	35,848.00	16,403.00	मरम्मत कार्य
32.	खाडाल्या का बान्ध	मुरलीपुरा	राजगढ़	अलवर	20,838.00	10,427.00	मरम्मत कार्य
33.	गुरु सागर एनीकट	गढ़ बसई	थानागाजी	अलवर	4,81,250.00	1,89,092.00	अपूर्ण कार्य
34.	खेटा का एनीकट	चावा का बास	थानागाजी	अलवर	15,392.00	27,150.00	पूर्ण कार्य
35.	महिला घाट	भाँवता	थानागाजी	अलवर	50,310.00	23,000.00	मरम्मत कार्य
36.	भैरु वाला बाँध	भाँवता	थानागाजी	अलवर	14,092.00	6,000.00	मरम्मत कार्य
37.	सांकड़ा बाँध	भाँवता	थानागाजी	अलवर	21,000.00	7,500.00	मरम्मत कार्य
38.	पीपल वाला जोहड़	भाँवता	थानागाजी	अलवर	25,250.00	12,378.00	नया
39.	कालक्या वाला जोहड़	चावा का बास	थानागाजी	अलवर	35,255.00	13,229.00	नया
40.	चौड़ी नाल का जोहड़	लालपुरा	थानागाजी	अलवर	9,065.00	4,974.00	नया
41.	भर्तृहरी वाला जोहड़	कालेड़	थानागाजी	अलवर	5,685.00	2,196.00	मरम्मत कार्य
42.	ठाकराला वाला जोहड़	कालेड़	थानागाजी	अलवर	11,009.00	22,020.00	मरम्मत कार्य
43.	आलाला बाँध	हमीरपुर	थानागाजी	अलवर	83,895.00	41,327.00	मरम्मत कार्य
44.	जबर सागर एनीकट	हमीरपुर	थानागाजी	अलवर	5,995.00	450.00	मरम्मत कार्य
45.	बैनाड़ा का जोहड़	हमीरपुर	थानागाजी	अलवर	14,195.00	7,100.00	मरम्मत कार्य
46.	पीला खेत झाकर जोहड़	नटाटा	थानागाजी	अलवर	16,297.00	6,635.00	मरम्मत कार्य
47.	खारडा का एनीकट	निजरा-समरा	थानागाजी	अलवर	41,950.00	20,900.00	मरम्मत कार्य
48.	साण्ड्या का जोहड़	निजरा-समरा	थानागाजी	अलवर	642.00	321.00	मरम्मत कार्य
49.	स्कूल वाली जोहड़ी	भुरियावास	थानागाजी	अलवर	5,390.00	2,415.00	मरम्मत कार्य
50.	भिण्ड़रुख का एनीकट	गढ़ बसई	थानागाजी	अलवर	2,89,009.00	72,982.00	नया कार्य

क्र. सं.	कार्य का नाम	गांव का नाम	तहसील	जिला	संस्था द्वारा भुगतान	गांव का सहयोग	कार्य का विवरण
51.	खुरी वाला एनीकट	समरा	थानागाजी	अलवर	71,159.00	33120.0	मरम्मत कार्य
52.	पीला खेत सारेरा की जोहड़ी	नटाटा	थानागाजी	अलवर	12,454.00	2,129.00	मरम्मत कार्य
53.	नाड़ा वाला जोहड़	सीलीबावड़ी	थानागाजी	अलवर	25,114.00	12,586.00	मरम्मत कार्य
54.	कैमली का जोहड़	पलासना	थानागाजी	अलवर	10,174.00	4,884.00	मरम्मत कार्य
55.	काला खेत का जोहड़	भुरियावास	थानागाजी	अलवर	20,915.00	6,406.00	नया
56.	सालर वाली जोहड़ी	गु. घासी	थानागाजी	अलवर	42,978.00	21,391.00	नया
57.	पुखत्या वाली जोहड़ी	टोड़ी लुहरान	थानागाजी	अलवर	54,040.00	26,633.00	नया
58.	स्याली वाला एनीकट	गोपालपुरा	थानागाजी	अलवर	3,545.00	1,780.00	मरम्मत कार्य
59.	खोरावाला एनीकट	टोडा	थानागाजी	अलवर	1,06,534.00	36,475.00	नया
60.	श्मशान वाला जोहड़	भुरियावास	थानागाजी	अलवर	66,038.00	22,000.00	नया
61.	ज्वार वाला बाँध	सेवाकागुवाड़ा	थानागाजी	अलवर	2,37,151.00	39,947.00	नया
62.	आम तलाई	भुरियावास	थानागाजी	अलवर	27,312.00	9,705.00	नया
63.	पुराना बान्ध	बाछड़ी	थानागाजी	अलवर	11,068.00	11,068.00	मरम्मत कार्य
64.	बाबाजी वाला जोहड़	कालेड़	थानागाजी	अलवर	28,326.00	8,445.00	मरम्मत कार्य
65.	पापड़ा वाला जोहड़	भुरियावास	थानागाजी	अलवर	18,375.00	9,060.00	नया
66.	पानी पापड़ा वाला बान्ध	लालपुरा	थानागाजी	अलवर	40,606.00	14,009.00	नया
67.	पाराला वाला बान्ध	सांवत्सर	थानागाजी	अलवर	61,500.00	39,340.00	कार्य चालू है।
68.	बसवा वाला जोहड़	सीलीबावड़ी	थानागाजी	अलवर	58,860.00	29,430.00	नया
69.	जागतिया वाला जोहड़	गु. हनुमान	थानागाजी	अलवर	7,085.00	1,000.00	मरम्मत कार्य
70.	तरुण ताल	भीकमपुरा	थानागाजी	अलवर	2,54,044.00	-	चालू
71.	हनुमान खात्याला मेंढ़बन्दी	गोपालपुरा	थानागाजी	अलवर	1,900.00	3,500.00	मरम्मत कार्य
72.	कुण्डाला का एनीकट	रायपुरा	थानागाजी	अलवर	2,875.00	2,875.00	मरम्मत कार्य
73.	भाटी वाला बान्ध	रायपुरा	थानागाजी	अलवर	2,784.00	2,784.00	मरम्मत कार्य
74.	पौ की घाटी वाला एनीकट	डूमौली	थानागाजी	अलवर	3,70,788.00	1,85,300.00	नया
75.	पीला खेत का एनीकट	डूमौली	थानागाजी	अलवर	68,690.00	33,000.00	नया
76.	लम्बा ढाबा का जोहड़	उमरी	सरिस्का	अलवर	15,637.00	7,816.00	मरम्मत कार्य
77.	गादर वाली जोहड़ी	उमरी	सरिस्का	अलवर	35,363.00	17,269.00	मरम्मत कार्य

क्र. सं.	कार्य का नाम	गांव का नाम	तहसील	जिला	संस्था द्वारा भुगतान	गांव का सहयोग	कार्य का विवरण
78.	रामस्वरूप वाली जोहड़ी	क्रास्का	सरिस्का	अलवर	21,708.00	5,677.00	मरम्मत कार्य
79.	तीन खजरी वाला जोहड़	क्रास्का	सरिस्का	अलवर	1,580.00	789	मरम्मत कार्य
80.	देवी वाला जोहड़	क्रास्का	सरिस्का	अलवर	7,725.00	2,846.00	मरम्मत कार्य
81.	भर्तृहरी वाला जोहड़	सरिस्का	सरिस्का	अलवर	13,480.00	6,740.00	मरम्मत कार्य
82.	सई की खोल वाला जोहड़	इलियास की ढाणी	तिजारा	अलवर	27,490.00	13,745.00	नया
83.	नदी वाला बान्ध	मेवघीया का	तिजारा	अलवर	39,644.00	19,822.00	नया
84.	परमा वाला जोहड़	रहमतनगर	तिजारा	अलवर	37,471.00	18,735.00	मरम्मत कार्य
85.	गुजी वाला बान्ध	धौलादाता	तिजारा	अलवर	6,421.00	3,210.00	मरम्मत कार्य
86.	स्कूल वाली जोहड़ी	वीजकहेडा	तिजारा	अलवर	34,350.00	15,550.00	नया
87.	देवी वाला जोहड़	रामपुर	बानसूर	अलवर	16,604.00	6,916.00	मरम्मत कार्य
88.	नया जोहड़	छोटीकीड रामपुर	बानसूर	अलवर	11,291.00	3,762.00	मरम्मत कार्य
89.	बास वाला जोहड़	नाथुसर	बानसूर	अलवर	12,511.00	6,257.00	मरम्मत कार्य
90.	वाजनी शाह का एनीकट	रामपुर	बानसूर	अलवर	8,583.00	2,291.00	मरम्मत कार्य
91.	कोलण्डी वाला एनीकट	रामपुर	बानसूर	अलवर	1,96,368.00	98,184.00	नया
92.	जाल वाली जोहड़ी	कानपुर लोज	बानसूर	अलवर	4,268.00	2,134.00	मरम्मत कार्य
93.	फुटा बाँध	नानचपुरा	रामगढ़	अलवर	58,146.00	29,073.00	मरम्मत कार्य
94.	नाहर खोरा का जोहड़	बुर्जा	मालाखेड़ा	अलवर	3,574.00	1,787.00	मरम्मत कार्य
95.	मौजी तलाई	सांवर	कुशालगढ़	अलवर	6,335.00	2,113.00	मरम्मत कार्य
96.	गोचर का एनीकट	तिलोनिया	किशनगढ़	अजमेर	6,50,145.00	3,17,000.00	पूर्ण कार्य
97.	रामघाट का बान्ध	रोजदा	आमेर	जयपुर	1,35,996.00	45,332.00	मरम्मत कार्य
98.	गोचर वाला एनीकट	लापोडिया	दूदू	जयपुर	2,43,855.00	46,301.00	नया
99.	गोचर वाला जोहड़	जयपुरा	चाकसू	जयपुर	42,298.00	2,150.00	नया
100.	राम तलाई	मडक्या	चाकसू	जयपुर	1,10,754.00	53,377.00	नया
101.	कांकरिया की नाड़ी	नायक	चाकसू	जयपुर	78,945.00	39,478.00	नया
102.	चरागाह की नाड़ी	शीतला माता	चाकसू	जयपुर	17,172.00	8,586.00	नया
103.	झीलमिल सागर	महेरू	मालपुरा	टौंक	1,37,634.00	68,817.00	मरम्मत कार्य
104.	रैंगरों वाली नाड़ी	सूरजपुरा	मालपुरा	टौंक	15,862.00	7,931.00	नई

क्र. सं.	कार्य का नाम	गांव का नाम	तहसील	जिला	संस्था द्वारा भुगतान	गांव का सहयोग	कार्य का विवरण
105.	गोचर का एनीकट	चादनगढ़	मालपुरा	टौंक	2,27,087.00	1,13,544.00	नया
106.	हरिजन वाला जोहड़	डौला	बागपत	बागपत(उ.प्र.)	71,517.00	35,758.00	नया
107.	गुसाई वाला जोहड़	डौला	बागपत	बागपत(उ.प्र.)	2,06,292.00	1,03,150.00	नया
108.	गऊ शाला बान्ध	सेवलमन्दिर	गोविन्दगढ़	भरतपुर	87,521.00	30,060.00	मरम्मत कार्य

फोर्ड फाउण्डेशन के अंतर्गत किये गये फिजीकल कार्य 2004-05

क्रमांक	कार्य का नाम	गांव का नाम	तहसील	जिला	संस्था द्वारा भुगतान	गांव का सहयोग	कार्य का विवरण
1.	जलकुण्ड निर्माण 150	राणासर,	नौखा	बीकानेर	1,10,350.00	1,10,350.00	नई
		लाखासर					
		बीठनौख					
2.	रठा वाला बान्ध	राणासर,	नौखा	बीकानेर	91,835.00	30,612.00	नया कार्य
3.	टांकें 10, शेखावाटी	शेखावाटी			2,50,000.00		नया कार्य

सोनिया फाउण्डेशन परियोजना के अंतर्गत किये गये कार्य 2004-05

क्रमांक	कार्य का नाम	गांव का नाम	तहसील	जिला	संस्था द्वारा भुगतान	गांव का सहयोग	कार्य का विवरण
1.	खुमारिया वाली नाडी	राहोली	निवाई	टौंक	56,750.00	26,350.00	नया कार्य

प्रिन्स चार्ल्स परियोजना के अंतर्गत किये गये कार्य 2004-05

क्रमांक	कार्य का नाम	गांव का नाम	तहसील	जिला	संस्था द्वारा भुगतान	गांव का सहयोग	कार्य का विवरण
1.	मोटा चौड़ा एनीकट	मुण्डावली	झाडौल	उदयपुर	75,060.00		नया कार्य
2.	ठठावली एनीकट	ठठावली	झाडौल	उदयपुर	29,540.00	29,540.00	नया कार्य

AUDITORS' REPORT

We have audited the attached consolidated Balance Sheet as at 31st March, 2005 of **M/s Tarun Bharat Sangh,** Jaipur (Activities from Bheekampura Kishori, Distt. - Alwar) and also the consolidated Income & Expenditure Account and Receipt & Payment Account for the year ended on 31st March, 2005 from the books of accounts, vouchers & other relevant records produced before us for our examination. These financial statements are the responsibility of the Institution's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates & valuation of material made by management, as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

We report that :

(i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit;

(ii) In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the institutions so far as appears from our examination of those books.

(iii) The Balance Sheet, Income & Expenditure and Receipt & Payment Account dealt with by this report are in agreement with the books of account.

(iv) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said accounts give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India :

(c) in the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the Institution as at 31st March, 2005; and

(d) in the case of the Income & Expenditure Account, of the deficit of the Institution for the year ended on that date.

FOR **GOYAL ASHOK & ASSOCIATES**
Chartered Accountants

(A.K. GOYAL)
Proprietor

JAIPUR
DATE : 12.07.05

TARUN BHARAT SANGH

CONSOLIDATED BALANCE SHEET AS ON 31.03.2005

LIABILITIES		AMOUNT	ASSETS		AMOUNT
General Reserve			**Fixed Assets**		
(As Per Annexure "A")		12,752,423.91	(As per Annexure "B")		11,492,437.32
Endowment Fund (Ford Foundation, USA)			**Cash in Hand**		
From Grant	14,673,000.00		(As per Annexure "C")		411,949.00
Interest on deposits	1,166,200.00	15,839,200.00			
			Cash at Bank		
Unutilised Amount to be utilised in next year (s)			(As per Annexure "D")		15,302,670.90
Head Office	500,000.00		**Fixed Deposit**		
SIDA	15,972,006.64		Endowment Fund (Ford Foundation, USA)		15,839,200.00
15,839,200.00					
Ford Foundation	1,999.67	16,474,006.31			
			Grant Receivable from C.S.W.B.		263,580.00
TDS (A.Y. 2005-06)		57,478.00			
			Advances to Workers and Others		239,760.00
			Advances given against expenses		
			Kumar & Co.	90,213.00	
			R. D. Gupta	10,000.00	100,213.00
			Advances given for land		
			Dilip Singh	200,000.00	
			Omkar Singh	200,000.00	
			Land at Noida	10,000.00	410,000.00
			Advances given against physical work		
			Murari Lal Sharma		56,000.00
			Advances given to		
			Satyendra Singh	515,000.00	
			Ramendra Singh	297,298.00	
			Chaman Singh	75,000.00	
			Jagdish Gurjar	20,000.00	
			Kanhaiya Lal Gurjar	100,000.00	1,007,298.00
		45,123,108.22			**45,123,108.22**

Notes on Accounts As per Annexure "E"

As Per our Report of even date
For **Goyal Ashok & Associates**
Chartered Accoutants

(A.K. Goyal)
Proprietor

Place : Jaipur
Dated :12.07.05

For **Tarun Bharat Sangh**

General Secretary

TARUN BHARAT SANGH

CONSOLIDATED INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED ON 31.03.2005

EXPENDITURE	AMOUNT	INCOME	AMOUNT
To **Physical Work**		By **Grant Received from**	
Earthan Dam/Anicut Johad/School		Sweeden Ambessy	29,965,999.49
Building	8,726,877.00	Sonia Foundation	110,000.00
		Shri Y.V. Divakar	500,000.00
To **Training/Awarness Camp Resources**		The Prince of Wales's Charitable	
Programme		Foundation	237,834.00
Camp, Workshop, Exposure visit		National Fish & Wildlife Foundation	180,600.00
Foot March, Village Meeting,Compaigns	1,001,130.00		
		By Interest Received on FDR	1,251,445.67
To **Documentations**			
Case Study, Books, Poster Printing,		By Bank Interest	271,046.24
Photography, Documentry Film	1,327,861.00		
		By Sale of Books & Cassets	20,619.00
To Donations	30,575.00		
		By **Amount Charged from Various**	
To Logding & Boarding	176,571.50	**Projects**	
		Lodging & Boarding Charges	733,700.00
To **Administrative Expenses**		Transportation	34,246.00
Honorarium, Travelling, Repairing,		Administration	160,000.00
Insurance, Bank Charges, Stationery,			
Postages etc.	3,219,641.10	By Deficit during the year	471,344.51
To Grant returned to Capart, Delhi	125,000.00		
To Capital Expenditure	2,338,973.00		
To Amount of interest transferred to			
Endowement Fund	516,200.00		
To Unutilised Amount to be utilised			
in next year (s)	16,474,006.31		
	33,936,834.91		**33,936,834.91**

As Per our Report of even date
For **Goyal Ashok & Associates**
Chartered Accoutants

(A.K. Goyal)
Proprietor

Place : Jaipur
Dated :12.07.05

For **Tarun Bharat Sangh**

General Secretary

TARUN BHARAT SANGH

CONSOLIDATED RECEIPT & PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED ON 31.03.2005

RECEIPTS		AMOUNT	PAYMENTS		AMOUNT
To **Opening Balance**			By **Physical Work**		
Cash in Hand		651,526.60	Earthan Dam/ Anicut Johad/		
			School Building		8,726,877.00
Cash at Bank					
The Bank of Raj. Ltd., Jaipur		69,948.64	By **Training / Awarness Programme**		
			Camp, Workshop, Exposore Visit		
Alwar Bharatpur Gramin Anchlik			Pad Yatra, Village Meeting,		
Bank, Kishori			Compaigns		1,001,130.00
A/c No. 764		17,318.39			
A/c No. 2459		70,880.00	By **Documentations**		
A/c No. 2330		2,229.50	Case Study, Books, Poster Printing		
			Photography, Documentary Film		1,327,861.00
Fixed Deposit (GBK)		863,893.00			
			By Donations		30,575.00
SBBJ, Thanagaji		671.67			
			By Logding & Boarding		176,571.50
PNB, Umrain		148.00			
			By **Administrative Expenses**		
Arawali Kshetriya Gramin Bank			Honorarium, Travelling, Repairing,		
Gadmora A\c No. 3123		507.00	Insurance, Bank Charges, Stationery,		
			Postages etc.		3,219,641.10
Centurian Bank, Jaipur		15,980.79			
			By FDR made out of Interest Received		516,200.00
To **Grant Received from**			By Advance return to Various Parties		850,000.00
Sweeden Ambessy					
F.Y. 2004-05	29,965,999.49		By **Payment to**		
F.Y. 2003-04	367,098.51	30,333,098.00	Jain Kirana Stores	26,834.50	
			Manoj Trading Co.	17,885.00	
Sonia Foundation		110,000.00	Agrawal Traders	4,566.00	
			Vinod Trading Co.	8,715.00	
Shri Y.V. Divakar		500,000.00	Image Maker	6,850.00	
			Kumar & Co.	4,070.00	68,920.50
The Prince of Wales's Charitable					
Foundation		237,834.00	By TDS deposited of previous year(s)		10,432.00
National Fish & Wildlife Foundation		180,600.00	By Grant Refund to Capart, Delhi		125,000.00
			By **Advances given against expenses**		
			Kumar & Co.	90,213.00	
			R. D. Gupta	10,000.00	100,213.00
			By **Advances given for land**		
			Dilip Singh	200,000.00	
			Omkar Singh	200,000.00	
			Land at Noida	10,000.00	410,000.00

Continued on page 2...

RECEIPTS		AMOUNT	PAYMENTS		AMOUNT
			By Advances given against physical work		
			Murari Lal Sharma		56,000.00
			By **Advances given to**		
			Satyendra Singh	515,000.00	
			Ramendra Singh	297,298.00	
			Chaman Singh	75,000.00	
			Jagdish Gurjar	20,000.00	
			Kanhaiya Lal Gurjar	100,000.00	1,007,298.00
To **Charges Received From Various Projects**			By **Capital Expenditure**		
Lodging & Boarding	733,700.00		Land & Building	1,962,953.00	
Transportation	34,246.00		Furniture	91,616.00	
Administration	160,000.00	927,946.00	Computer	55,442.00	
			Motorcycle	35,500.00	
			Cemera	41,395.00	
To Sale of Books & Cassets		20,619.00	Equipment	81,445.00	
			Machinery	34,601.00	
To Interest Received on FDR		1,251,445.67	Cycle	5,075.00	
			Room Heater	1,946.00	
To Bank Interest		271,046.24	Mobile	18,350.00	
			Celling Fan	10,650.00	2,338,973.00
To T.D.S. (A.Y. 2005-06)		57,478.00			
			By **Closing Balance**		
To Loan Recovered from staff & Others		97,141.50	Cash in Hand		411,949.00
			By **Cash at Bank**		
			The Bank of Raj. Ltd. Jaipur		13,889,417.31
			Alwar Bharatpur Gramin Anchlik Bank Kishori		
			A/c No. 764		22,990.00
			A/c No. 2459		1,119.00
			PNB, Umarin		148.00
			Fixed Deposit (GBK)		863,893.00
			SBBJ, Thanagaji		671.67
			Arawali Kshetriya Gramin Bank, Godmora A/c 3123		507.00
			Centurian Bank		523,924.92
		35,680,312.00			**35,680,312.00**

As Per our Report of even date
For **Goyal Ashok & Associates**
Chartered Accoutants

(A.K. Goyal)
Proprietor

Place : Jaipur
Dated : 12.07.05

For **Tarun Bharat Sangh**

General Secretary

TARUN BHARAT SANGH

GENERAL RESERVE — Annexure "A"

Opening Balance			11,380,422.97
Add: Assets Purchase during the year			2,338,973.00
			13,719,395.97
Less: Assets written off during the year	406,854.55		
Advances written off during the year		88,773.00	495,627.55
			13,223,768.42
Less: Deficit during the year			471,344.51
			12,752,423.91

CASH BALANCE — Annexure "C"

Head Office	3,570.00
Foreign Projects	408,379.00
	411,949.00

CASH AT BANK — Annexure "D"

Alwar Bharatpur Anchlick Gramin Bank		
A/c No. 764	22,990.00	
A/c No. 2459	1,119.00	24,109.00
PNB, Umrain		148.00
SBBJ, Thangagi		671.67
The Bank of Rajasthan Ltd. Jaipur		13,889,417.31
Arawali Kshactriya Gramin Bank		
A/c No. 3123		507.00
Centurian Bank, Jaipur		523,924.92
Fixed Deposit (GBK)		863,893.00
		15,302,670.90

For **Tarun Bharat Sangh**

General Secretary

M/S TARUN BHARAT SANGH

FIXED ASSETS **Annexure "B"**

Particulars	Balance As On 01.04.2004	Addition During The Year	Sold/ Written Off During The Year	Total As On 31.03.2005
Land & Building	6,231,305.97	1,962,953.00	-	8,194,258.97
Mahinery	173,990.25	34,601.00	-	208,591.25
Electricity Fitting	51,320.80	-	-	51,320.80
Utencils	4,076.00	-	-	4,076.00
Furniture	121,245.62	91,616.00	10,163.00	202,698.62
Surgical & Other Equipments	8,187.68	81,445.00	-	89,632.68
Generator	40,000.00	-	-	40,000.00
Room Heater	-	1,946.00	-	1,946.00
Motor Cycles	387,257.00	35,500.00	265,838.00	156,919.00
Fans	13,405.25	10,650.00	-	24,055.25
Jeeps	1,786,625.00	-	-	1,786,625.00
Photo Copier	130,853.55	-	130,853.55	-
Tractors	292,853.00	-	-	292,853.00
Computers	264,080.00	55,442.00	-	319,522.00
Camera	40,000.00	41,395.00	-	81,395.00
Cycle	-	5,075.00	-	5,075.00
Carpet	9,643.75	-	-	9,643.75
Mixi	1,325.00	-	-	1,325.00
Mobile	4,150.00	18,350.00	-	22,500.00
	9,560,318.87	**2,338,973.00**	**406,854.55**	**11,492,437.32**

For **Tarun Bharat Sangh**

General Secretary

TARUN BHARAT SANGH

Annexure "E"

NOTES ON ACCOUNTS FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2005

1. The accounts are being prepared on historical cost basis and as a going concern Accounting policies not referred to otherwise are in consistent with the generally accepted accounting principles.

2. The accounts are being prepared on Cash basis.

3. The Head Office of the Institution has incurred and charged certain amounts from various projects under the following heads.

(a)	Lodging & Boarding	Rs. 7,33,700.00
(b)	Transportation / Jeep Fare	Rs. 34,246.00
(c)	Administration	Rs. 1,60,000.00

On the one side, such expenses have been shown as expenses under individual projects and on the other side, the Head Office of the Institution has treated these amounts as its income.

4. No depreciation has been charged on the fixed assets.

5. In some projects, the Institution has incurred expenses as per scheme of the project despite non receipt of grant amount from funding agencies. Accordingly, a sum of Rs. 2,63,580/- have been shown as outstanding grant receivable.

For **Tarun Bharat Sangh**

General Secretary

जलयात्रा
राजेन्द्र सिंह
पदयात्रा
जल बिरादरी

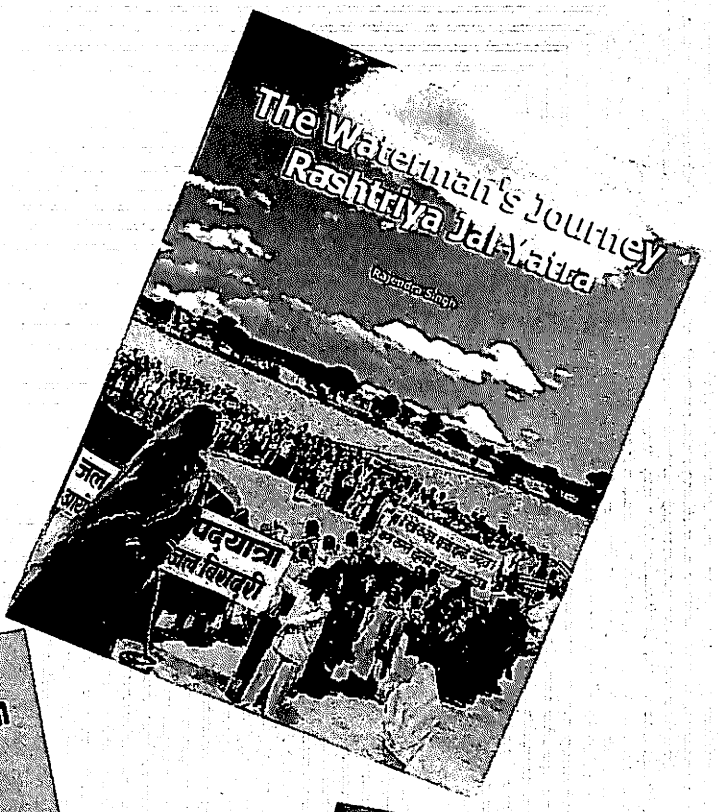
The Waterman's Journey
Rashtriya Jal Yatra
Rajendra Singh
पदयात्रा
जल बिरादरी

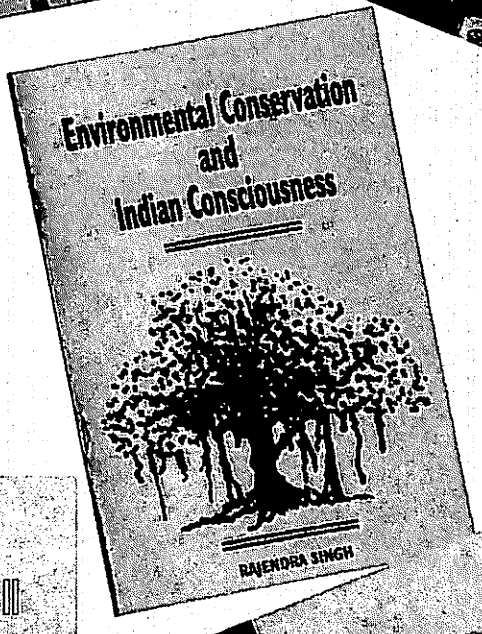
Environmental Conservation
and
Indian Consciousness
RAJENDRA SINGH

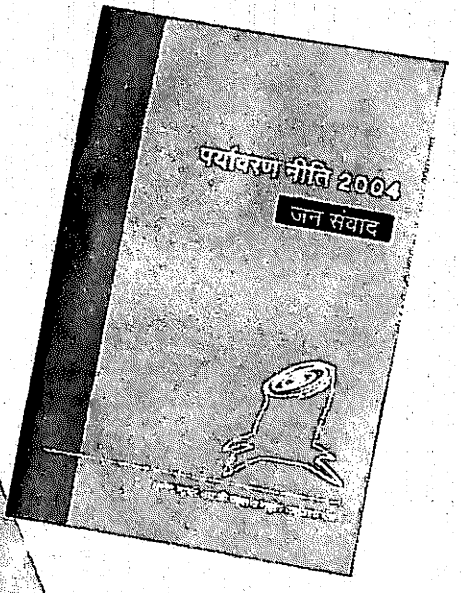
पर्यावरण नीति 2004
जन संवाद

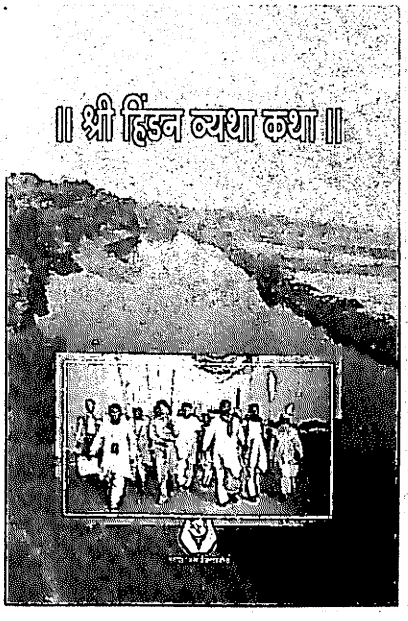
॥ श्री हिंद स्वराज कथा ॥

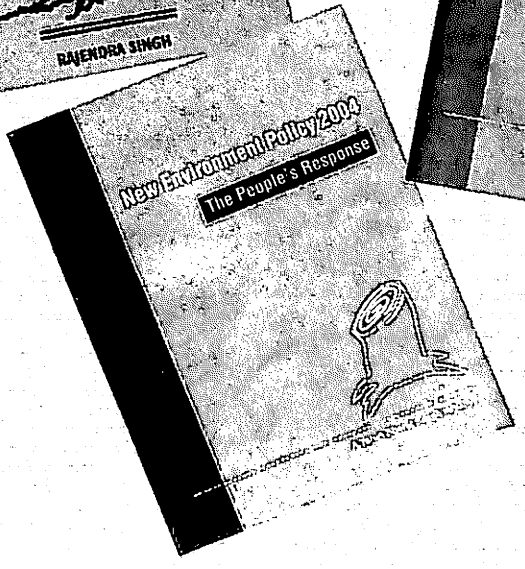
New Environment Policy 2004
The People's Response

पानी बचाओ-पानीदार बनो

पानी पंचायत

डिग्गी में निर्माण संस्थान, देशमां व राजस्थान जल बिरादरी की पानी पंचायत में मैग्सेसे राजेन्द्रसिंह ने कहा

भास्कर न्यूज़ • मालपुरा, 22 जून। [illegible]

मालपुरा। पानी पंचायत में मैग्सेसे राजेन्द्र सिंह व [illegible]

[illegible]

जयपुर, शुक्रवार 26 दिसम्बर 2003 राजस्थान पत्रिका

'पानी बैंक' बनाने की पहल हो

जयपुर, 25 दिसम्बर

100 डेज

100 डेज शृंखला के तहत विशेषज्ञों से पानी पर सुझाव

[illegible]

प्रदेश में जल संसाधन

राजकीय संपत्ति नहीं माना जाए

विकास नीति का केन्द्र हो पानी

[illegible]

लंदन में राजधानी, डिनर में वाजपेयी भोजन

वाजपेयी का गला खराब, मीनू में हो सकता है फेरबदल

[illegible]

चीन में विस्फोट, 191 मरे

[illegible]

15 से 16 हजार मिनटों को हटाया गया है।

मालपुरा। डिग्गी की जाट धर्मशाला में बुधवार को जल संरक्षण चेतना सम्मेलन में किसानों को संबोधित करते मुख्य अतिथि मैग्सेसे राजेन्द्र सिंह एवं उपस्थित अतिथि।

जल का संरक्षण जरूरी-सिंह

मालपुरा, 22 जून। राष्ट्रीय जल बिरादरी के अध्यक्ष व मैग्सेसे अवार्ड से सम्मानित राजेन्द्र सिंह ने कहा कि वर्तमान में प्रत्येक व्यक्ति को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि जल के बिना न पशुधन बचेगा नहीं फसलें। [illegible]

जल संरक्षण चेतना सम्मेलन

[illegible] ... (निसं.)

पानी के दोहन को लेकर जयपुर के निकट कालोनाइजरों के विरुद्ध पानी पंचायत जुटी

[illegible]

गुजरात समाचार (भावनगर आवृत्ति)
शनिवार, ता. १२ फेब्रुआरी, २००५

ભાવનગરમાં જળસંચય ક્ષેત્રના બે અગ્રણીઓનું આજે આગમન

ભાવનગર, શુક્રવાર

ભાવનગરમાં ગાંધી મહિલા આર્ટસ અને કોમર્સ કોલેજનો વાર્ષિકોત્સવ આવતીકાલ તા.૧૨ના શનિવારે બપોરે ત્રણ કલાકે કોલેજના પટાંગણમાં યોજાયેલ છે. આ પ્રસંગે જળસંચય પ્રવૃત્તિના બે અગ્રણી કાર્યકર પણ ભાવનગર પધારી રહ્યા છે.

ગાંધી મહિલા કોલેજના વાર્ષિકોત્સવમાં જળ સંચય અંગે વક્તવ્ય આપશે

મહિલા કોલેજના વાર્ષિકોત્સવ પ્રસંગે રાજસ્થાનના રાજેન્દ્રસિંહજી પધારી રહ્યા છે. મેગ્સેસે એવોર્ડ સહિત ૧૮ થી વધુ રાષ્ટ્રીય અને આંતરરાષ્ટ્રીય એવોર્ડ મેળવનાર રાજેન્દ્રસિંહજી પાણી બચાવ પ્રવૃતિ અંતર્ગત આઠ હજાર કિલોમીટરમાં પથરાયેલા ૭૫૦ તૈયાર કર્યા છે. જેના કારણે ૨૦૦ ફુટે પાણી મળતું હતું તે ગામોમાં ૨૦ ફુટે પાણી મળતુ થયુ છે. ૯૪ વર્ષથી દુષ્કાળના સકંજામાં સપડાયેલ નિમ્બી ગામમાં બે ફુટે પાણી મળતુ કરવાનું કાર્ય તેમણે કર્યુ છે.

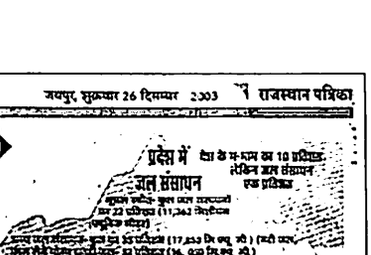

જ્યારે બીજા અતિથિ સૌરાષ્ટ્ર જલધારા

(અનુસંધાન ૧૫માં પાને)

જળસંચય ક્ષેત્રના

(૧૬મા પાનાનું ચાલુ)

ટ્રસ્ટ-સુરતના પ્રમુખ મથુરભાઈ સવાણી છે. તેમણે ચેકડેમની ઝુંબેશ શરૂ કરી હરિયાળી ક્રાંતિ તરફ સૌરાષ્ટ્રને ડગ મંડાવ્યા હતા. ટ્રસ્ટ દ્વારા જળસંચય, જળજાગૃતિ અને જળ જાળવણી ક્ષેત્રે કામ થઈ રહ્યું છે.

બંને અગ્રણીઓ તેમના વિચારો કાર્યક્રમમાં રજૂ કરશે.

[illegible]

नई जल नीति साल के अंत तक बनेगी

सेमिनार में दरें बढ़ाने पर सहमति नहीं

विसं • जयपुर, 12 जुलाई। यूरोपियन कमीशन की सरकार ने विश्वास दिलाया है कि राज्य में जल प्रबंधन की परिवर्तित नीति दिसंबर तक तैयार कर ली जाएगी। इसके लिए एक्शन प्लान भी जनवरी तक तैयार हो जाएगा।

ये जानकारी स्टेट पार्टनरशिप प्रोग्राम के तहत मंगलवार को दिन भर चले सेमिनार में दी गई। सेमिनार में विजय शंकर व्यास ने प्रजेन्टेशन दिया और बताया कि किस तरह राज्य में जलनीति की रूपरेखा तैयार की जा रही है। सेमिनार में यूरोपियन कमीशन के सदस्यों के साथ स्वयंसेवी संस्थाओं और सरकार के आला अफसरों ने भाग लिया। यूरोपियन कमीशन राजस्थान को पानी और पंचायतराज संस्थाओं के विकास के लिए सवा चार सौ करोड़ रुपए का अनुदान देने जा रहा है, जिसके लिए उसने पानी की दरें बढ़ाने, जल दोहन पर नियंत्रण के लिए कानून बनाने और पानी वितरण का काम पंचायतराज संस्थाओं को देने की शर्तें रखी हैं।

व्यास ने सेमिनार में पीने के पानी की दरें बढ़ाने की कमीशन की मांग पर असहमति जताई और कहा कि साफ पानी पिलाना सरकार का दायित्व है।

सरकार की ओर से कहा गया कि भू जल प्रबंधन और नियंत्रण विधेयक का प्रारूप कुछ महीनों में बनाकर विधानसभा में पेश करने का इरादा है, अब इसे पास करने का दायित्व जन प्रतिनिधियों पर निर्भर करता है। सेमिनार में कहा गया कि कमीशन पंचायतों को अनुदान की राशि देगा, जिसे सरकार ने व्यावहारिक नहीं बताया। कमीशन का ये भी कहना था कि पंचायतों में विकास कार्यों के लिए पचास प्रतिशत राशि सरकार खर्च करे तभी कमीशन अपना सहयोग देगा। कमीशन सेमिनार में आए सुझावों से आला अफसरों को अवगत कराएगा और 14 जुलाई को दिल्ली में एक बैठक में और चर्चा करेगा।

'टाइगर प्रोजेक्ट भी बाघों को बचाने में असहाय'

जयपुर, 24 फरवरी। प्रधान मुख्य वन संरक्षक रहे वी.डी. शर्मा ने कहा कि देश में बाघों का शिकार रोकने में टाइगर प्रोजेक्ट भी असहाय दिख रहा है। इसी के चलते सरिस्का जैसी ऐतिहासिक धरोहर खत्म होती जा रही है। शर्मा गुरुवार को राजस्थान विश्वविद्यालय के गांधी सेन्टर फॉर ह्यूमन इकोलॉजी इन्वायरमेंट एंड पोपुलेशन सेन्टर में तरुण भारत संघ की ओर से 'विलुप्त होते बाघ' विषय पर चिन्तन बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के वन्य जीव पार्कों और अभयारण्यों को बचाने के लिए राज्य सरकार व केन्द्र सरकार के मानस को बदलना होगा। बाघों में रेडियो कॉलर लगाने चाहिए, जिससे उनकी हर स्थिति का पता चल सके।

संगोष्ठी को सम्बोधित करते राजेन्द्र सिंह।

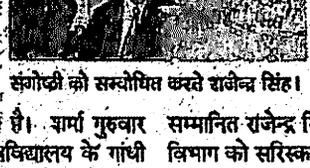

मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित राजेन्द्र सिंह ने कहा कि वन विभाग को सरिस्का में बाघों के शिकार सम्बन्धी कई पत्र लिखे, लेकिन वहां से एक का भी जवाब नहीं आया। टाइगर वॉच के फील्ड बायलोजिस्ट धर्मेन्द्र खंडेलवाल ने रणथम्भौर की पिछले वर्षों की स्थिति को स्लाइड शो के माध्यम से प्रस्तुत किया।

[illegible]

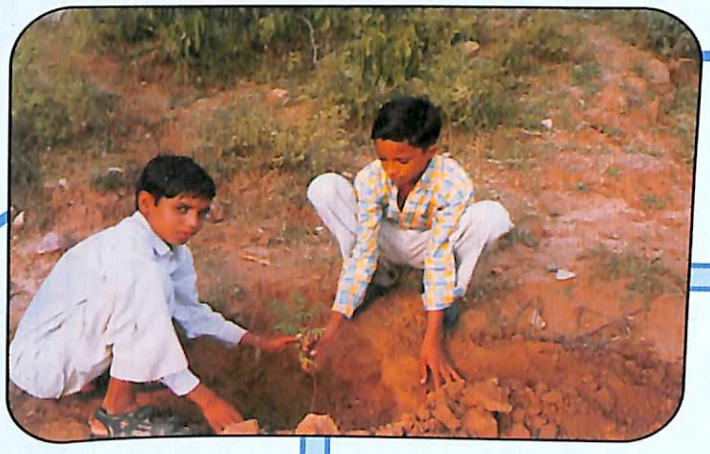

पर्यावरण नीति प्रारूप संवाद

Designed & Printed at Kumar & Company, Jaipur